संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 317
पृष्ठ 8
मंगलवार
06 अगस्त 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मनु भाकर खुद को फिट रखने...
विचार- सोशल मीडिया बनाम दूधारी तलवार
खेल- भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन..

त्वरित व संतुष्टिपरक हो लोगों की समस्याओं का समाधान

जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी ने दिए अधिकारियों को निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए, इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता की हर समस्या का निराकरण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 400 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होने दी जाएगी। जिन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ किन्हीं कारणों से नहीं मिल पाया है उन्हें इसके दायरे में लाया जाएगा। जनता दर्शन में मुस्लिम समाज की भी कई महिलाएं भी पहुंची थीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जाए। हर बार की तरह इस बार भी मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी यह ध्यान दें कि कोई भी गरीबों की जमीन, संपत्ति पर कब्जा न करने पाए। किसी ने ऐसा दुस्साहस किया तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन भी जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार–दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया। जनता दर्शन के अलावा मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान भी सीएम योगी ने परिजनों के साथ आए कई बच्चों से मुलाकात कर उन्हें स्नेहिल आशीष दिया। उन्होंने बच्चों के साथ खूब हंसी ठिठोली भी की और उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया। एक मासूम बच्चे को उन्होंने अपने हाथों से चॉकलेट खिलाया।

जम्मू–कश्मीर तथा लद्दाख की भावनाओं के विपरीत है भाजपा की नीति : खडगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की नीतियों को जम्मू– कश्मीर तथा लद्दाख के लोगों के खिलाफ बताते हुए जम्मू–कश्मीर में तत्काल विधानसभा चुनाव कराने की मांग की है। श्री खडगे ने सोमवार को कहा, "जम्मू–कश्मीर और लद्दाख पर भाजपा की नीति न तो 'कश्मीरियत' का सम्मान करती है और न ही 'जम्हूरियत' को बरकरार रखती है। मोदी सरकार ने दावा किया था कि इस कदम से जम्मू–कश्मीर को पूर्ण रूप से एकीकृत करने, क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और आतंकवाद तथा अलगाववाद को रोकने में मदद मिलेगी लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है।" उन्होंने पिछले पांच साल के दौरान जम्मू कश्मीर में हुए आतंकवादी हमलों का विवरण देते हुए कहा "साल 2019 के बाद से 683 घातक आतंकी हमले हुए हैं जिसके परिणामस्वरूप 258 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए और 170 नागरिकों की जान चली गई। विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार शपथ लेने के बाद से अब तक राज्य के जम्मू क्षेत्र में 25 आतंकवादी हमले हुए हैं जिसमें 15 सैनिक शहीद हो गये और 27 घायल हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों में कश्मीरी पंडितों की लक्षित हत्याएँ एक आदर्श बन गई हैं।" कांग्रेस नेता ने बेरोजगारी का जिक्र करते हुए कहा, "जम्मू–कश्मीर सरकार के 65 प्रतिशत विभागों में कई पद खाली हैं लेकिन 2019 से कोई भर्ती नहीं हुई है और राज्य में बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत है, जिसमें चिंताजनक रूप से 18.3 प्रतिशत युवा बेरोजगारी दर है।

सरकार जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी : पीएम मोदी

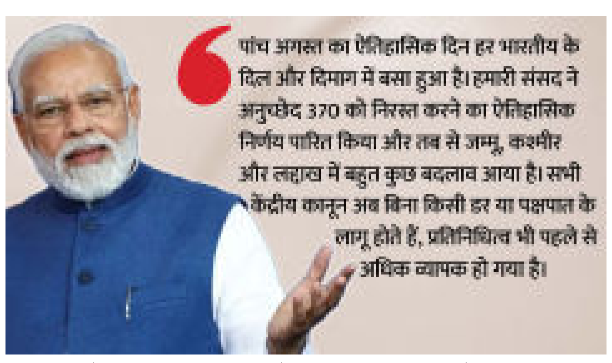

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विश्वास दिलाया कि केंद्र सरकार उनके लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि देश की संसद द्वारा पांच साल पहले आज ही के दिन संविधान के अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त कर दिया गया था जो हमारे देश के इतिहास में एक 'ऐतिहासिक क्षण' था। उन्होंने कहा, ''यह जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में प्रगति और समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत थी। इसका मतलब था कि भारत के संविधान को इन स्थानों पर, संविधान बनाने वाले महान पुरुषों और महिलाओं की दृष्टि के अनुरूप अक्षरशः लागू किया गया।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ ही उन महिलाओं, युवाओं, पिछड़ों, आदिवासियों और हाशिए के समुदायों को सुरक्षा, गरिमा और अवसर मिला जो विकास के लाभ से वंचित थे। उन्होंने कहा कि साथ ही इसने यह सुनिश्चित किया कि जम्मू एवं कश्मीर को भ्रष्टाचार से दूर किया जाए जिसने दशकों से इस पूर्ववर्ती प्रदेश को त्रस्त कर रखा था। उन्होंने कहा, ''मैं जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि हमारी सरकार उनके लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

बिजली का करंट लगने से नौ कांवरिया की मौत, तीन झुलसे

हाजीपुर, एजेंसी। बिहार में वैशाली जिले के औद्योगिक थाना क्षेत में बिजली का करंट लगने से नौ कांवरिया की मौत हो गयी तथा तीन अन्य झुलस गये। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि रविवार की देर रात डीजे ट्रोली पर सवार कांवरिया पहलेजा घाट जल भरने के लिये जा रहे थे। इस दौरान डीजे ट्रॉली के साउंड सिस्टम सेट से 11 हजार वोल्ट का बिजली का तार सट गया, जिससे पूरी ट्रॉली में करंट फैल गया। बिजली का करंट लगने से नौ कांवरियों की मौत हो गयी तथा तीन अन्य झुलस गये। सूत्रों ने बताया कि झुलसे लोगो को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मृतकों की पहचान जेठुली गांव निवासी रवि कुमाार (18) ,नवीन कुमार (28),अमरेश कुमार (28),अशोक कुमार (18), चंदन कुमार (14),कालू कुमार (16),आशीष कुमार (18),अमोद कुमार (30) और राजा कुमार (24) के रूप में की गयी है।

अनुच्छेद 370 हटाये जाने से जम्मू कश्मीर और लद्दाख में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र मजबूत हुआ : शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने के पांच वर्ष पूरे होने के मौके पर सोमवार को कहा कि इससे जम्मू कश्मीर और लद्दाख में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र मजबूत हुआ है। श्री शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35 ए के ऐतिहासिक निरस्तीकरण के पांच साल पूरे हो गए हैं। इस परिवर्तनकारी निर्णय ने हाशिए पर मौजूद वर्गों के सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत की है और जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत किया है। क्षेत्र के युवाओं ने सामाजिक–आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को प्रेरित किया है, जिससे शांति और व्यापक विकास को बढ़ावा देने के मोदी सरकार के प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है।" उन्होंने कहा, "हम इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मोदी जी को धन्यवाद देते हैं और क्षेत्र की आकांक्षाओं और परिवर्तनकारी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि करते हैं।" उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने पांच वर्ष पहले आज के ही दिन जम्मू कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था।

जो तानाशाही करेगा उसे देश छोड़कर भागना पड़ेगा- बांग्लादेश में हिंसा के बीच आप नेता संजय सिंह का पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद, शेख हसीना अपनी छोटी बहन शेख रेहाना के साथ सोमवार दोपहर बांग्लादेश से रवाना हुईं, बाद में अगरतला से दिल्ली पहुंचीं। वह वहां से लंदन, यूके जाने की योजना बना रही है। वहीं बांग्लादेश के हालात पर आम आदमी पार्टी की तरफ से प्रतिक्रिया आई है। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि जो तानाशाही करेगा उसे देश छोड़कर भागना पड़ेगा। संजय सिंह ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि जो तानाशाही करेगा उसे देश छोड़कर भागना पड़ेगा। संजय सिंह ने अपने इस पोस्ट में किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन उनका इशारा बीजेपी और केंद्र सरकार की तरफ माना जा रहा है। बांग्लादेश के हालात पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चेतावनी दी है। उन्होंने राज्य के मंत्रियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी को भी बांग्लादेश पर टिप्पणी नहीं करनी है। फेसबुक या अन्य नेट पर पोस्ट न करें। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने राज्य कैबिनेट की बैठक में बांग्लादेश को लेकर किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भड़काऊ टिप्पणी न करने का संदेश दिया है।

बांग्लादेश को लेकर ममता बनर्जी ने दिया सख्त निर्देश, नेता भड़काऊ टिप्पणियों से बचें

नई दिल्ली, एजेसी। बांग्लादेश के हालात पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चेतावनी दी है। उन्होंने राज्य के मंत्रियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी को भी बांग्लादेश पर टिप्पणी नहीं करनी है। फेसबुक या अन्य नेट पर पोस्ट न करें। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने राज्य कैबिनेट की बैठक में बांग्लादेश को लेकर किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भड़काऊ टिप्पणी न करने का संदेश दिया है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि श्ऐसा कोई

पोस्ट न करें जिससे इस राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द खराब न होझ ऐसी कोई टिप्पणी न करें जिससे हिंसा भड़के या भड़के। बांग्लादेश की इस घटना से हम सभी चिंतित हैंष ऐसा कुछ भी न लिखें जिससे शांति भंग हो। बीजेपी नेता ऐसी चीजें पोस्ट कर सकते हैं जो हिंसा भड़का सकती हैं। ममता ने साफ कर दिया कि बांग्लादेश पर फैसला भारत सरकार करेगी। इस बीच बांग्लादेश में हसीना की सरकार गिर गई है। उस देश में अंतरिम सरकार बनने जा रही है. शेख़ हसीना ने इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ दिया। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद सेना प्रमुख जनरल वकार–उज़–ज़मां ने देश के नाम भाषण में कहा कि शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है। सेना प्रमुख ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि अंतरिम सरकार बनेगी। सभी हत्याओं का न्याय किया जाएगा। सेना पर भरोसा रखें. देश में शांति व्यवस्था बनाये रखें. मुझ पर भरोसा करें। कृपया मदद करे लड़ने से मुझे कुछ नहीं मिलेगा।

कृषि मंत्री ने झूठ बोला, लाएंगे विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी ने कहा है कि कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को लेकर सदन में गलत बयानी कर देश को गुमराह करने का काम किया है, इसलिए उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जाएगा। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने सोमवार को यहां संसद भवन परिसर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं दिया गया है।

सावन

अब के सावन छम छम बरसे
पिया मिलन को अंखिया तरसे।
पपीहा पीहू पीहू बोले चहूं और
मेरा मन भी डोले चित चोर,
कीट पतंगे खूब हरशाये
मन में मेरी अगन जगाए
उमड़ घुमड़ जब बादल गरजे
पिया मिलन को अंखिया तरसे।

कल कल करती नदियां बहती
समुद्र मिलन को तत्पर रहती
मिठास को अपनी लेकर चलती
समुद्र से मिलकर खारी बनती
भेद है क्या यह कैसे समझे
पिया मिलन को अंखिया तरसे।

फूलों पर है यौवन छाए
तितलियां उन पर खूब मंडराये
रस पाने को खूब मचलाए
फूल भी जी भर खुशबू लुटाये
ये सब देख के नैना हरसे
पिया मिलन को अंखिया तरसे।

सुनीता भट्ट गोजा।
जम्मू , जम्मू-कश्मीर।
११७/२ आनंद नगर बोड़ी तालाब तिलो जम्मू।

सबका स्वास्थ्य ठीक रखने का सरकार कर ही है प्रयास : नड्डा

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को कहा कि देश भर में 36 हजार जन औषधि केन्द्र खुल गये हैं और 25 हजार केन्द्र और खोले जायेंगे। श्री नड्डा ने अपने विभाग की अनुदान मांगों पर लोकसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुये सदस्यों को आश्वान दिया कि आयुष्मान डिजिटल मिशन के तहत रखा जा रहा रिकॉर्ड पूरी तरह गोपनीय रहता है। उन्होंने कहा कि जन औषधि केन्द्र से मिलने वाली दवायें इस प्रणाली से बाहर बिक रही दवाओं के मुकाबले 50 से लेकर 80 प्रतिशत तक सस्ती होती हैं। श्री नड्डा ने वर्ष 2024–25 के बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के बजट के प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि वर्ष 2014 की तुलना में स्वास्थ्य विभाग के बजट में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 33278 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 90958 करोड़ रुपये हो गया है। बहस में शामिल कई सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य बजट को सकल घरेलू उत्पाद के दो प्रतिशत से ऊपर ले जाने के सुझावों के संबंध में कहा कि इस समय स्वास्थ्य विभाग का बजट सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड से 12 करोड़ परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। देश की 40 प्रतिशत आबादी इसके तहत कवर हो रही है। आयुष्मान कार्ड के तहत 48 प्रतिशत लाभार्थी महिलायें हैं। श्री नड्डा ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत एक लाख 73 हजार मंदिर खड़े किये गये हैं। आयुष्मान डिजिटल मिशन के तहत लोगों का चिकित्सा रिकॉर्ड रखा जहा रहा है जो पूरी तरह गोपनीय रहता है। पीएम भीम हेल्थ मिशन के तहत किये जा रहे कार्यों का संचालन एवं क्रियान्वयन तेज किया जा रहा है। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा अस्पताल और मेडिकल कालेज जैसी स्थापित बुनियादी सुविधाओं का उल्लेख करते हुये कहा कि देश में 22 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को स्वीकृति दी गयी है। इनमें 18 संचालित हो रहे हैं और चार निर्माणाधीन हैं। एक एम्स के निर्माण पर 15 से 20 हजार करोड़ खर्च होते हैं। उन्होंने कहा कि देश में 731 मेडिकल कालेज संचालित किये जा रहे हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में 381 दवायें मुफ्त दी जा रही हैं। कैंसर की शुरुआती स्तर पर ही जानकारी हासिल करने के की दिशा में कदम उठाये जा रहे हैं। कैंसर की दवायें सस्ती की जा रही हैं। श्री नड्डा ने कहा कि सिकिल सेल बीमारी के उन्मूलन को सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इन्द्रधनुष योजना के तहत टीकाकरण कार्य को व्यापक और तेज किया गया है। पोलियो का देश से उन्मूलन कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना के जनवरी 2020 में देश के पहले मामले के आने के नौ महीने के भीतर इसके दो स्वदेशी टीके तैयार करके भारत ने दुनिया को चौका दिया था। दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज कोरोना टीकाकरण अभियान देश में चलाया गया। श्री नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में लंबी छलांग लगायी है और सरकार के प्रयास दूरगामी प्रभाव छोड़ने वाले हैं।

प्रयागराज में हत्यारोपी को थाने से छोड़ा

पीड़ित परिवार बोला– वह केशव मौर्य का करीबी, हमारी जान को खतरा, सीएम योगी न्याय करें

मुलायम यादव, मृतक

प्रयागराज। प्रयागराज गोलीकांड के मुख्य आरोपी को थाने से छोड़ने का मामला तूल पकड़ने लगा है। पीड़ित परिवार का कहना है– 10 नामजद आरोपियों की लिस्ट में जिला पंचायत सदस्य अभिषेक यादव उर्फ हिंदू का नाम पहले नंबर पर था। अभिषेक ने ही मेरे बेटे को गोली मारी थी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य का करीबी होने के कारण पुलिस ने उसे छोड़ दिया। डिप्टी सीएम के साथ अभिषेक और उसके पिता की तस्वीरें सामने आई हैं। पीड़ित परिवार ने जान का खतरा बताते हुए ब्ड योगी से न्याय की गुहार लगाई।

गोलीकांड में 2 युवक घायल हुए, एक ने दम तोड़ दिया

घटना बहरिया इलाके के ध्म्मौर गांव की है। यहां 50 लाख कीमत के मकान को लेकर 30 जुलाई को हुई फायरिंग में दो युवकों को गोली लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान एक युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान सारी पत्ती बहरिया निवासी मुलायम यादव (22) पुत्र रामा यादव के रूप में हुई। वहीं, घायल अभयपुर निवासी जितेंद्र यादव पुत्र पारसनाथ यादव को स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

घायल बोला– अभिषेक ने चलाई गोली

जितेंद्र ने पुलिस को बताया– हमारे ऊपर मऊआइमा के जिला पंचायत सदस्य अभिषेक यादव ने अपने साथियों के साथ हमला किया। राइफल–तमंचे, लाठी–डंडे से हमारे ऊपर टूट पड़े। अभिषेक यादव ने मुलायम यादव के सीने पर गोली मारी। सुरेंद्र की जमीन का विवाद था, उसके लिए ही यह सब कुछ किया गया।

10 लोगों के खिलाफ एफआईआर

बेटे की हत्या के बाद रामा यादव ने एफआईआर दर्ज करवाई– रिपोर्ट में बताया कि मेरा बेटा मुलायम यादव 30 जुलाई को दोपहर 2 बजकर 15 मिनट पर अपने दोस्त सुरेंद्र यादव, जितेंद्र यादव और अन्य साथियों के साथ धम्मौर चौराहे पर बैठा था। तभी अभिषेक यादव राइफल लेकर गजराज व अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा। अभिषेक ने मेरे बेटे के सीने पर राइफल से गोली मार दी, जिससे वह गिर गया। गजराज यादव ने जितेंद्र के पैर में गोली मार दी। पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। इनमें से 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने दबाव में आकर अभिषेक को छोड़ दिया

रामा यादव ने बताया– घटना में शामिल मुख्य आरोपी अभिषेक यादव को पुलिस ने मौके से पकड़ा था, लेकिन उसके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उसे छोड़ दिया गया। पुलिस दबाव में आकर अपराधियों की मदद कर रही है। अभिषेक यादव ने ही मेरे बेटे के सीने में गोली मारी थी। मैं अपने परिवार के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ से मिल कर न्याय की गुहार लगाने लखनऊ जाऊंगा। रामा यादव ने कहा– पुलिस अभिषेक यादव को पकड़कर ले गई थी। कई घंटे उसे थाने में रखा, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया। जितेंद्र यादव ने खुद पुलिस को बताया था कि कैसे अभिषेक ने ही सीने में गोली चलाई। उसका वीडियो भी हमारे पास है।

बहरिया थाना प्रभारी रणविजय सिंह ने कहा– तहरीर पर अभिषेक यादव को नमाजद किया गया है। तत्कालिक जांच में अभिषेक यादव की वहां मौजूदगी नहीं नजर आई, इसलिए छोड़ा गया। अभी जांच की जा रही है।

बाद में दर्ज हुई क्रॉस एफआईआर

मामले में पुलिस ने मऊआइमा के मोहम्मदपुर सराय अली गांव निवासी अजय कुमार मौर्या की तहरीर पर जिला पंचायत सदस्य शशिकांत यादव, उसके भाई सुरेंद्र कुमार यादव सहित 11 नामजद व 9 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने, वाहनों में तोड़फोड़ और मारपीट करने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

नेता प्रतिपक्ष ने सदन में की जांच की मांग : नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सदन में इस केस को उठाया। उन्होंने कहा– आप कई बार हमारी पार्टी के लोगों की हत्या का जिक्र कर चुके हैं। अभी दो दिन पहले बहरिया में एक युवक की हत्या हुई है। भाजपा के अधिकारी ने हत्या की है, जरा इसका भी पता लगा लिया जाए?

प्रयागराज में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

घर में अकेली होने पर फंदा बनाकर लटकी, घरेलू कलह बताई जा रही वजह

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के सैदाबाद चौकी इलाके में एक विवाहिता ने रविवार देर शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला की मौत से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी होते ही घर में कोहराम मच गया। दुसौती गांव निवासी लवकुश केसरवानी मेले और बाजारों में बेल्ट, पर्स बेचता है। रविवार को देर शाम वह कहीं गया था। घर पर उसकी मां उमा और पत्नी नीतू थी। लवकुश की मां बाजार में सब्जी खरीदने गई थी। सब्जी लेकर वापस लौटी तो देखा बहू नीतू कमरे में कुंडे के सहारे दुपट्टे के फंदे पर लटक रही थी। यह दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। मृतिका नीतू का मायका भरवारी कौशाम्बी में है। पड़ोसियों ने बताया कि दोनों ने प्रेम विवाह किया था। उनका तीन वर्ष का एक बेटा भी है। मायके पक्ष के लोगों को भी पुलिस ने सूचना दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। फांसी लगाने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। आसपास के लोगों ने बताया घरेलू कलह हो सकता है। आए दिन पति–पत्नी के बीच विवाद होता रहता था।

बीयर शॉप का सेल्समैन खुद पी गया हजारों की बीयर

प्रयागराज। प्रयागराज में बीयर शॉप पर काम करने वाले एक युवक ने शॉप मालिक को लंबा चूना लगा दिया। बीयर शॉप पर विक्रेता पद पर रखा गया युवक खुद ही रोज बीयर गटकता रहा। उसने अपने दोस्तों को भी खूब बीयर पिलाई। मालिक ने जब हिसाब लिया तो करीब 12 हजार रुपए की बीयर का हिसाब ही नहीं मिला। बीयर का स्टॉक खत्म होता रहा और बिक्री के रुपए गायब रहे। मामले में कैंट थाने में बीयर विक्रेता शिवराज सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराया है। फतेहपुरी के गुरुदौला के रहने वाले राजेश सिंह की कैंट इलाके में स्टैनली रोड पर बीयर की शॉप है। राजेश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसने आलोक कुमार निवासी भदकार नीवीं कला झूंसी के कहने पर शिवराज सिंह को दुकान पर विक्रेता के रूप में रख लिया। शिवराज साउथ मलाका का रहने वाला है। राजेश का आरोप है कि दुकान पर बीयर का स्टॉक खत्म होने पर उसने जांच शुरू की। तब पता चला कि कई लाख की बिक्री में हजारों रुपये का हेरफेर है। मामले में पूछताछ में पता चला कि शिवराज करीब 12 हजार रुपये की बीयर खुद पी गया या फिर दोस्तों को पिला दिया। रुपए न लौटने राजेश ने शिवराज पर केस कर दिया है। पुलिस का कहना है जांच की जा रही है। बीयर शॉप से बीयर पी ली गई लेकिन गल्ले में रुपए नहीं रखे गए।

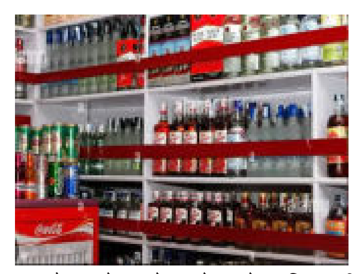

प्रयागराज के युवक की मुंबई में मौत

मेजा। प्रयागराज के मेजा में समोगरा गांव से मुंबई नौकरी करने गए अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों मे मौत हो गई। स्थानीय मुंबई पुलिस ने शव की शिनाख्त कर परिजनों को मामले की जानकारी दी तो घर में कोहराम मच गया। परिजन शव लेने के लिए मुंबई रवाना हो गए हैं। मेजा थाना क्षेत्र के समोगरा गांव के रहने वाले फरमान अली (51) तीन महीने पहले मुंबई नौकरी करने के गए थे। घर की आर्थिक स्थिति गड़बड़ होने के कारण मुंबई स्थित प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत थे। रोजाना की तरह सोमवार की शाम वह कम्पनी से कमरे पर जाने के लिए निकले थे। रास्ते मे अचानक स्थानीय लोगों ने उनका शव देखा।

श्री शशि कांत त्रिपाठी ने किया उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी का पदभार ग्रहण

प्रयागराज। सिविल सेवा बैच के भारतीय रेल यातायात सेवा(प्त्जै) के अधिकारी श्री शशि कांत त्रिपाठी ने उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व श्री त्रिपाठी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (माल)ध्प्रयागराज का दायित्व निभा रहे थे । उन्होने यह पदभार निवर्तमान मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री हिमांशु शेखर उपाध्याय के उत्तर रेलवे स्थानान्तरण होने के उपरांत ग्रहण किया। श्री शशि कांत त्रिपाठी मूलतः चित्रकूट के रहने वाले हैं और उन्होंने स्नातक की शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से और परास्नातक की शिक्षा जेएनयू दिल्ली से ली है। श्री शशि कांत त्रिपाठी की छवि एक तेज तर्रार अफसर की है एवं वह उत्तर रेलवे एवं उत्तर मध्य रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रह चुके हैं। श्री शशिकांत त्रिपाठी ने 2012 में उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मण्डल में सहायक मण्डल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्य शुरू किया था ।

महाकुंभ में अतिथियों के लिए बसने वाली टेंट सिटी के टेंडर निरस्त, फिर से आमंत्रित की जाएगी निविदा

प्रयागराज। महाकुंभ के लिए अरैल में बसने वाली दुनिया की सबसे बड़ी टेंट सिटी के दो ब्लॉकों के टेंडर निरस्त कर दिए गए हैं। पीपीपी मॉडल पर संगम के पास बसाई जाने वाली इस टेंट सिटी में दिल्ली, गुजरात और राजस्थान की कई नामी कंपनियों ने हिस्सा लिया था। अब नए सिरे से टेंडर कराया जाएगा। इसके लिए अगले हफ्ते टेंडर जारी होने की उम्मीद है। 25 हेक्टेयर में फैले 2,000 लक्जरी बिस्तरों वाली टेंट सिटी की स्थापना के लिए दो महीने पहले ही टेंडर कराए गए थे। 10 अलग–अलग ब्लॉक में टेंट सिटी बसाने की योजना है। इसके लिए देश भर से डेवलपर्स

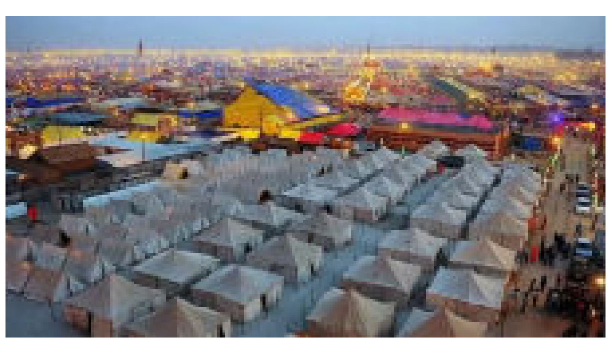

कंपनियों ने निविदा में हिस्सा लिया था। प्रत्येक ब्लॉक में 200 बिस्तरों की क्षमता वाली टेंट सिटी का निर्माण कराया जाना था। प्रत्येक ब्लॉक में मेहमानों को विला, सुपर डीलक्स और डीलक्स रूम सहित कई प्रकार के लक्जरी आवास प्रदान करने की योजना है। इसके साथ ही टेंट सिटी के नजदीक अतिथियों और पर्यटकों को अनूठा अनुभव देने के लिए सरकार की स्लीपिंग पॉड, कंटेनर आवास और वाटर स्पोर्ट्स जैसी सुविधाएं प्रदान करने की भी योजना है। करीब 1600 बेड की आठ टेंट सिटी के लिए कराए गए टेंडर में दो ब्लॉकों के टेंडर निरस्त किए गए हैं। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के अधिकारियों के मुताबिक इसमें शामिल कंपनियों की ओर से टेंडर की के नियमों को समयबद्ध तरीके से पूरा न कर पाने के कारण नए सिरे से प्रक्रिया कराई जाएगी। झूंसी में उल्टा किला के पास टेंट सिटी के लिए जल्द ही टेंडर कराए जाएंगे। निरस्त हुए दो ब्लॉकों की चार सौ बिस्तरों की निविदाओं समेत कुल छह सौ बिस्तरों वाले लग्जरी टेंट आवासों के लिए नए सिरे से टेंडर कराए जाएंगे। मानक पूरा न होने पर अरैल में दो ब्लॉकों के टेंडर निरस्त किए गए हैं। नए सिरे से टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। हफ्ते भर के भीतर टेंडर करा लिया जाएगा। टेंट सिटी की निर्माण पीपीपी मॉडल पर कराया जाएगा। – डीपी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक, उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम

चार सौ करोड़ की ठगी के मुख्य आरोपी को रिमांड पर प्रयागराज लाई पुलिस, किए कई अहम खुलासा

प्रयागराज। प्रॉपर्टी–शेयर में निवेश के नाम पर 400 करोड़ रुपये की ठगी के मुख्य आरोपी अभिषेक द्विवेदी ने पुलिस रिमांड पर कई अहम खुलासे किए हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह निवेशकों से पैसे लेकर जमीन और फ्लैट में निवेश करता था। तीन माह पहले उसने नोएडा के जेवर एयरपोर्ट के पास करीब तीन बीघा जमीन को 100 करोड़ में खरीदने की डील की थी, इसके लिए उसने बीस करोड़ रुपये एडवांस के तौर पर दिए थे। रजिस्ट्री होने के बाद यहां पर फ्लैट बनाने थे। बीते छह जून को शिवकुटी थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद से फरार चल रहे निहारिका वेंचर्स के एमडी अभिषेक को पुलिस ने 20 जुलाई को पानीपत से गिरफ्तार कर जेल भेजा था। पूछताछ न होने के कारण पुलिस ने कोर्ट में अर्जी लगाकर 48 घंटे का पुलिस रिमांड मांगा था। इस पर कोर्ट ने आरोपी अभिषेक को सात घंटे पुलिस कस्टडी में ले जाने की मंजूरी दी थी। रविवार सुबह पुलिस आरोपी को कस्टडी में लेने के बाद उसे गोविंदपुर स्थित उसके घर ले गई। वहां से पुलिस को लैपटॉप, चेकबुक, जमीन की रजिस्ट्री, बैंक पासबुक, निवेशकों का ब्योरा समेत अन्य कई दस्तावेज मिले हैं। पुलिस ने इन सभी दस्तावेजों को जब्त कर लिया है। वहीं, जांच के बाद सिविल लाइंस एसीपी श्वेताभ पांडेय व थाना प्रभारी ने करीब दो घंटे आरोपी से पूछताछ की। इस दौरान करीब डेढ़ सौ सवाल किए गए। आरोपी पुलिस के कई सवालों से बचता रहा।

तीन प्रापर्टी डीलर समेत चार पुलिस रडार पर

पूछताछ में सामने आया कि अभिषेक ने नोएडा के जेवर के अलावा अयोध्या में करीब आठ करोड़ रुपये की जमीन की डील की थी। इन सभी संपत्तियों पर वह फ्लैट बनाकर बेचना चाहता था। पूछताछ में बताया कि नोएडा के जेवर की जमीन को खरीदवाने में तीन प्रॉपर्टी डीलर ने उसका साथ दिया। बताया कि इनमें दो डीलर प्रयागराज के ही रहने वाले हैं। इनकी गिरफ्तारी के अलावा निहारिका और अभिषेक की मदद करने वाली बस्ती की जेपी पांडेय नाम की महिला भी पुलिस रडार पर है।

ईडी ने भी शुरू की जांच

400 करोड़ रुपये की ठगी का खुलासा होने पर अब इस मामले में प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) ने भी जांच शुरू कर दी है। मामले में ईडी आरोपी अभिषेक की सभी संपत्तियों के ब्योरे के साथ बैंक डिटेल भी खंगालेगी। पुलिस अफसरों ने बताया कि पुलिस की जांच के साथ ही ईडी अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है। वहीं, शिवकुटी थाना पुलिस ने अभिषेक की सात घंटे पुलिस रिमांड पूरी होने पर रविवार शाम उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

निहारिका ने बेटे को दिया जन्म

वहीं, पुलिस अफसरों की जांच में सामने आया कि फरार चल रही निहारिका ने करीब दो दिन पहले किसी अस्पताल में बेटे को जन्म दिया है। पुलिस को आशंका है कि निहारिका फैजाबाद में रह रही है। पुलिस ने अब उसकी लोकेशन का पता लगाकर उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश देना शुरू कर दिया है।

अभिषेक से पूछे गए कुछ सवालों के अंश

सवाल– ठगी के 400 करोड़ रुपये कहां हैं।

जवाब– मुझे नहीं मालूम, इतने रुपयों की ठगी हुई है।

सवाल– तुम्हारा काम तो निवेश करने का था, दूसरों के पैसे वापस क्यों नहीं लौटाए।

जवाब– सभी को पैसा वापस लौटाता रहा हूं, कई निवेशकों ने कई गुना ज्यादा पैसा लिया है।

सवाल– ठगी के पैसों का तुमने क्या किया।

जवाब– प्रॉपर्टी और फ्लैट में निवेश करता था, इसके साथ ही हर महीने निवेशक को रिटर्न पैसे भी देता था।

सवाल– कहां–कहां प्रॉपर्टी बनाई है।

जवाब– नोएडा और अयोध्या में प्रॉपर्टी खरीदने की नई डील चल रही है।

सवाल– किसके साथ डील तय हुई है।

जवाब– तीन से चार लोग हैं, जो रियल स्टेट का काम करते हैं।

सवाल– निहारिका इतने दिनों से कहां छिपी है।

जवाब– मुझे नहीं मालूम कि वह कहां है, इतने दिनों से कोई संपर्क नहीं हुआ है।

सवाल– निवेशकों ने तुम्हारे पास कितने का निवेश किया है।

जवाब– करीब 70 से 80 करोड़ रुपये, बाकी सब आरोप झूठे हैं।

सवाल– निवेशकों के पैसे कब लौटाओगे।

जवाब– जिस निवेशक के पैसे मेरे पास हैं उन्हें छूटने के बाद वापस लौटा दूंगा।

स्नातक प्रवेश से वंचित रह जाएंगे 58 हजार अभ्यर्थी, नौ गुना अधिक हुए पंजीकरण

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में सत्र 2024–25 के तहत स्नातक (यूजी) प्रवेश के लिए इस बार सीटों की संख्या से 9.45 गुना अधिक पंजीकरण हुए हैं। अगर पंजीकरण कराने वाले सभी अभ्यर्थी रजिस्ट्रेशन फीस जमा करते हुए प्रवेश के लिए दावा करते हैं तो सीटें फुल होने के बाद तकरीबन 58 हजार अभ्यर्थी इविवि परिसर में स्नातक प्रवेश से वंचित रह जाएंगे। इविवि में प्रवेश के लिए इस बार रिकॉर्ड संख्या में रजिस्ट्रेशन हुए हैं। रविवार तक 64848 अभ्यर्थियों ने इविवि में स्नातक प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा लिए हैं। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि पांच अगस्त है। इविवि में यूजी प्रवेश के लिए इतनी बड़ी संख्या में पहली बार रजिस्ट्रेशन हुए हैं, जबकि विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक की 6860 सीटें हैं। इविवि की प्रवेश समिति को एनटीए से सीयूईटी का परिणाम मिलने का इंतजार है, ताकि मेरिट के आधार पर कटऑफ अंक जारी कर काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू की जा सके। अगर रविवार तक रजिस्ट्रेशन कराने वाले सभी 64848 अभ्यर्थी प्रवेश के लिए दावेदारी करते हैं तो सीटें फुल होने के बाद 57988 अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में दाखिले से वंचित होना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि पांच अगस्त है। ऐसे में पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अभी और बढ़ेगी। वहीं, इविवि के संघटक महाविद्यालयों में स्नातक की कुल 21534 सीटें हैं। इविवि में प्रवेश न मिलने पर अगर बाकी अभ्यर्थी संघटक महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए दावेदारी करते हैं तो भी 36454 अभ्यर्थियों को प्रवेश से वंचित होना पड़ेगा। इविवि में प्रवेश के लिए अब तक रजिस्ट्रेशन करा चुके सभी 64848 अभ्यर्थी सीयूईटी में शामिल हुए थे। इविवि ने संघटक कॉलेजों को यह छूट भी दी है कि वे चाहें तो गैर सीयूईटी यानी सीयूईटी में शामिल न होने वाले अभ्यर्थियों को भी इंटरमीडिएट की मेरिट के आधार पर स्नातक में प्रवेश दे सकते हैं। लेकिन, प्रवेश प्रक्रिया में सीयूईटी में शामिल अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उनसे सीटें खाली रह जाने पर ही गैर सीयूईटी अभ्यर्थियों को प्रवेश दिए जाएंगे। हालांकि, इविवि में प्रवेश के लिए पंजीकरण कराने वाले बहुत से अभ्यर्थियों ने सीयूईटी के आवेदन में दूसरे विश्वविद्यालयों के लिए भी विकल्प भरे होंगे। लेकिन, इस बार पंजीकरण इतनी अधिक संख्या में हुए हैं कि नए सत्र में इविवि के संघटक महाविद्यालयों में भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के प्रवेश लेने की संभावना है। ऐसे में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वाले गैर सीयूईटी अभ्यर्थियों में से भी ज्यादातर को प्रवेश से होना पड़ सकता है।

दो दिनों में 23 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने चुने विषय

इविवि में प्रवेश के लिए पंजीकरण करा चुके अभ्यर्थियों को अब दूसरे चरण की प्रक्रिया पूरी करनी है। इसके तहत उन्हें स्नातक के विषयों का चयन एवं रजिस्ट्रेशन फॉर्म की त्रुटियों में संशोधन करना है और रजिस्ट्रेशन फीस जमा करनी है। यह प्रक्रिया दो अगस्त से शुरू हुई है। 48 घंटे में 23259 अभ्यर्थी स्नातक के विषयों का चयन और फॉर्म की त्रुटियों में संशोधन कर चुके हैं। जबकि, 5430 अभ्यर्थी रजिस्ट्रेशन फीस जमा कर चुके हैं। इस बार बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने में गड़बड़ी की है। ऐसे में अभ्यर्थियों को फॉर्म में संशोधन के लिए एक अन्य अवसर प्रदान किया गया है।

पीएचडी प्रवेश के लिए 3145 अभ्यर्थियों के रजिस्ट्रेशन

इविवि एवं संघटक महाविद्यालयों में पीएचडी प्रवेश के लिए अब तक 3145 अभ्यर्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।इनमें से 1682 अभ्यर्थियों ने फीस जमा करते हुए आवेदन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली है। संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा (क्रेट)–2024 के लिए रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन की अंतिम तिथि 12 अगस्त है।

एडीसी, ईश्वर शरण में पीजी प्रवेश आज से

इलाहाबाद डिग्री कॉलेज (एडीसी) और ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में परास्नातक (पीजी) प्रवेश के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया सोमवार से शुरू होने जा रही है। इसके लिए दोनों कॉलेजों की ओर से दो अगस्त को कटऑफ अंक जारी किए जा चुके हैं। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में अर्थशास्त्र, प्राचीन इतिहास, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास, हिंदी, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, अंग्रेजी में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी पूर्व निर्धारित कटऑफ के तहत कॉलेज की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन काउंसलिंग में शामिल हो सकते हैं।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा **हाई स्कूल की मार्कशीट एवम प्रमाण पत्र** जो कि सेंट जोसेफ कालेज इलाहाबाद का था वह वास्ताव में कही **खो गया है ।**

वर्चस्व बाजपेयी ,पुत्र : स्वर्गीय अद्वैतनाथ बाजपेयी

पता : 56/80 जीरो रोड, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या : EL-C-PRYJ-08-24-25 दिनांक : 02.08.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 27.08.2024 समय 15:30 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत् है:-

प्रकाशित कार्य की लागत (रू0 में)	बोली प्रतिभूति (रू0 में)	कार्य अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1,07,00,000/-	2,03,500/-	06 माह	27.08.2024

कार्य का नाम : सूबेदारगंज कुंभ मेले के दृष्टिगत सूबेदारगंज स्टेशन पर प्लेटफार्म शेल्टर के विस्तार के संबंध में विद्युत जीपीएस कार्य।

नोट :- 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरो को चाहिए कि वे अपने आपको Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1376/24 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के विश्वनाथ जिला इकाई की विशेष सभा

सगुणमार्गी रामभक्ति काव्यधारा के लोकप्रिय महाकवि गोस्वामी तुलसीदास के जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय संगोष्ठी के ऊपर विस्तृत चर्चा

रामकथारू गंगा से ब्रह्मपुत्र तक विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंदी विशेषज्ञों का होगा समागम

विश्वनाथ, (असम) । पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिला इकाई प्रत्येक वर्ष की भाँति इस बार भी सगुणमार्गी रामभक्ति काव्यधारा के लोकप्रिय महाकवि गोस्वामी तुलसीदास के जयंती दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ मनाने जा रही है। इस बार उनके जयंती के अवसर पर रामकथारू गंगा से ब्रह्मपुत्र तक विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर विश्वनाथ चारिआलि के राष्ट्रीय विद्यालय आमबाड़ी के सभागृह में आज अपराह्न 3 बजे कार्यकारिणी का बैठक हुई। इस बैठक में मार्गदर्शक के रूप में पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के अध यक्षा रीता सिंह सर्जना, तेजपुर विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के सहायक आचार्या व अकादमी के साहित्य सचिव डॉ० गोमा देवी शर्मा पहुंची।सर्वप्रथम पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिलाध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा के अध्यक्षता में आयोजित तथा सचिव संतोष कुमार महतो के संचालित सभा में उपस्थित मार्गदर्शक, संरक्षक ,सदस्य को स्वागत किया गया। इसके बाद सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा का उद्देश्य व्याख्या करते हुए आगामी

10–11 अगस्त को होने वाले राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूपरेखा तथा आय–व्यय की जानकारी दी। उपस्थित अतिथि में डॉ० गोमा देवी शर्मा और रीता सिंह सर्जना आदि ने कहा असम में पहली बार एक ऐसी ऐतिहासिक क्षण होने जा रहा है जिसमें महाकवि तुलसीदास जी के जयंती के अवसर पर विषय रामकथारू गंगा से ब्रह्मपुत्र तक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा हैद्य यह अकादमी के लिए गौरव का विषय है।रीता सिंह ने कहा इस संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में गौहाटी विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो०दिलीप कुमार मेधी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहायक आचार्या डॉ० मिलनरानी जमातिया, तेजपुर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो० सूर्यकांत त्रिपाठी, डॉ० अनुशब्द, डॉ० गोमा देवी शर्मा, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय अरूणाचल प्रदेश के सहायक आचार्य डॉ० राजीव रंजन प्रसाद मौजूद रहेंगे।

इस मौके पर संरक्षक हरिप्रसाद लुईटेल, छत्तरसिंह पवार, उपाध्यक्ष जमीर अहमद ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय बहुत सुंदर है और विश्वनाथ में यह कार्यक्रम होना एक गर्व की बात है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हम भरपूर कोशिश करेंगे। अंत में अध्यक्ष ने प्रेम विश्वकर्मा ने अध्यक्षीय भाषण में कहा राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग ले रहे शोधार्थी तथा विशेषज्ञों को हार्दिक स्वागत है और कार्यक्रम को सफल कार्यान्वयन के लिए सभी से सहाय–सहयोग की कामना की। सचिव संतोष कुमार महतो ने उपस्थित अतिथि, संरक्षक,सदस्य का धन्यवाद ज्ञापन किया और सभा भंग की। इस मौके पर सांगठनिक सचिव मनीषा पाल, सदस्या सैयदा आनोवारा खातुन, सदस्य बेददीप उपाध्याय,मंटु बराल,अनुप शर्मा , हृत्तिक शर्मा मौजूद थे।

दो दिवसीय अनवासीय प्रशिक्षण का आयोजन शुरू

प्रतापगढ़। पंचायती राज विभाग लखनऊ के द्वारा एस बी एम द्वितीय फेज अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024ध्25में चयनित ग्रामोंध्पंचायतों के प्रधानगणों, पंचायत सहायकों, एवं सफाई कर्मियों तथा विकास खण्ड प्रेरकों का ओ डी एफ प्लस माडल ग्राम तैयार करने के दृष्टिगत 02 दिवसीय अनावासीय प्रशिक्षण का आज दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया गया सयह प्रशिक्षण क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान

के तत्वावधान में कराया जाएगा जो पूर्व निर्धारित विभिन्न तिथियों में कुल 14 सत्रों में अयोजित किया जाएगा जिसमें प्रथम दिवस मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा सद्वितीय दिवस प्रतिभागियों का क्षेत्र भ्रमण कराया जाएगा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अनावासीय है सआज प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर उद्घाटन के अवसर पर उपनिदेशक पंचायतराज प्रयागराज मण्डल श्री जयदीप त्रिपाठी साथ ही डी पी आर ओ श्री कांत दर्वे ए डी पी आर ओ हेम चन्द यादव प्राचार्य श्रीमती मंजू देवी वर्मा क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी, ऋतुराज शर्मा प्रयागराज मण्डल की गरिमामय उपस्थिति रहीस कार्यक्रम का सञ्चालन सत्र प्रभारी प्रवीण शुक्ल ने किया प्रधानगणों, पंचायत सहायकों, एवं सफाई कर्मियों तथा विकास खण्ड प्रेरकों के अतिरिक्त संस्थान से जे पी चौधरी गौरी शंकर पटेल विजय कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

बेदों गाँव की छात्रा का नीट में चयन

करछना। औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत ग्राम बेन्दो, करछना, प्रयागराज की छात्रा कु० जूही सिंह पुत्री विनोद कुमार सिंह ने वर्ष 2024 की नीट की परीक्षा में प्रथम प्रयास में हो 720 में 670 अंक अर्जित कर गांव का नाम रोशन किया है।

इनकी आल इण्डिया रैंक 12824 है तथा पिछड़ी जाति आरक्षण श्रेणी में 5403 रैंक है। इन्होंने हाईस्कूल तथा इंटर की परीक्षा शकुन विद्या निकेतन, नैनी, प्रयागराज से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। पिताजी स्वास्थ विभाग में एल. टी. के पद पर कार्यरत हैं। बड़ा भाई मनीष कुमार सिंह आई, आई० टी० धनबाद से इलेक्ट्रानिक एण्ड कम्युनिकेशन ब्रांच से बी० टेक कर रहे हैं। इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षा विभाग से अवकाश प्राप्त बाबा राम कैलाश पटेल एवं भाई डाक्टर दिवाकर पटेल को दिया है। इनको सफलता पर आदरणीय राजपाल सिंह पटेल, पूर्व प्रधान परमानन्द पटेल, प्रधान बड़ेघ्लाल पटेल, अमर सिंह, रामउदित सिंह, भोला नाथ पटेल, मनीराम पटेल, मामा रमेश कुमार पटेल उमरी, गोहनिया, तथा अनेक सभ्रान्त व्यक्तियों ने बधाई दी है।

9 को डॉक्टर अजय मालवीय की पुस्तक पर होगी चर्चा

प्रयागराज। वैश्विक हिंदी महासभा द्वारा डॉक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी की पुस्तक जर्द मौसम का सफर पर परिचर्चा एवम काव्य गोष्ठी का आयोजन 770 द्विवेदी मार्ग, राजरूपपुर में दिनांक 9 अगस्त (नाग पंचमी) समय दोपहर तीन बजे से होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्विक हिंदी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विजयानंद तिवारी जी करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पार्षद माननीय मिथलेश सिंह जी और विशिष्ट अतिथि डॉक्टर अंशुल त्रिपाठी जी और जनाब मंसूर आलम साहब होंगे।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर । शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी रक्षाबंधन और देश भक्ति के गीत से ओत–प्रोत ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न।

जबलपुर इकाई की महिला काव्य

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष , मुख्य डा.राजलक्ष्मी शिवहरे विशिष्ट अतिथि निधि मिश्रा शिकागो से एवं अर्चना मलैया द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में

माल्यार्पण किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति कृष्णा राजपूत द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं कुशल संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत छाया सक्सेना प्रभु द्वारा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। छाया त्रिवेदी, रेखा चौधरी, अंजलि तिवारी राजकुमारी रैकवार, कविता राय, डा. कुमकुम शुक्ला, रश्मि पांडे , शैली सेठ, मंजूषा किंजवडेकर, जयश्रीकांत, आशा श्रीवास्तव , प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, अनुराधा गर्ग , चंदा देवी स्वर्णकार, आरती श्रीवास्तव। धन्यवाद ज्ञापन डा. मुकुल तिवारी ने किया।

जुमई की रचनाओं में मुखरित हुई ,जनजीवन की व्यथा और गंवई विमर्श : बेशरम

करछना। सामयिक विद्रूपताओं और सामाजिक विसंगतियों पर तंज कसती हुई जुमई खां आजाद की रचनाओं में आम जनमन की व्यथा और गंवई विमर्शों की अनूठी झलक मिलती है।अपने सादगीपूर्ण, अल्हड़ लोक जीवन में उनकी सोच,चिंतन और महसूस किए गए जनजीवन के विविध रागरंग, रचना कर्मियों हेतु प्रेरणादायक हैं। यह बातें

सोमवार को अवधी के प्रसिद्ध कवि जुमई खां आजाद की जयंती के मौके पर रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज के पंडित श्री नारायण सभागार में आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम ने कही। उन्होंने कहा कि– कथरी तोहार गुन उइ जानइ,जे करइ गुजारा कथरी मां... जैसे अमर अवधी गीत के रचनाकार के रूप में अवधी साहित्य पटल पर उन्हें एक बड़ी पहचान मिली। उनकी रचना परिधि में एक ओर तत्कालीन सामाजिक ताने–बाने के बीच प्रचलित प्रथाओं,कुरीतियों औरआडम्बरों,के प्रति गहन चिंतन झलकता है,तो वहीं आम जनमानस के लोकजीवन की वेदना का स्वर भी प्रस्फुटित हुआ। गरीब, मजदूर,शोषितऔर वंचित वर्ग के जीवन का यथार्थ बोध उनकी रचनाओं में उभर कर सामने आता है। जुम्मई खां आजाद का कवि कर्म मानवीय मूल्यों के प्रति प्रेरित करते हुए आजीवन समता, समानता, समरसता का पक्षधर रहा। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कहा कि गंवई माटी,अवधी बोली के शब्दरंगों से सृजित उनकी कई रचनाओं ने समाज में एक नई अलग जागते हुए बड़ी ख्याति अर्जित की। शिक्षक के.के. त्रिपाठी ने कहा कि आज के दौर में भी उनकी रचनाएं प्रासंगिक हैं और आम आदमी के जीवन की अंतरंग व्यथाओं की वकालत भी करती हैं। नए कलमकारों को ऐसे रचनाकर्मियों से सीख लेने की जरूरत है। इस मौके पर शिक्षक, कर्मचारी और बच्चे मौजूद रहे।

सी एम पी कॉलेज में पुरा छात्र सम्मेलन का भव्य आयोजन

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में दिनांक 4ध8ध2024 को पुरा छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने अतिथियों का स्वागत किया और अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के विकास और आगामी परियोजनाओं की रूप रेखा से अवगत कराया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे के. पी. ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार सिन्हा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के उन्नति में सभी को सहभागी बनने का आह्वान किया।

तदुपरांत एलुमनी एसोसिएशन सी. एम. पी. कॉलेज के अध्यक्ष एवं 1956 बैच के स्नातक प्रो. के के भूटानी ने अपने उद्बोधन में छात्र जीवन से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि सी. एम.पी. महाविद्यालय ने ही उनके उतरोतर विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

मुख्य अतिथि जस्टिस श्री अनीश कुमार गुप्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, ने अपने महाविद्यालय में बिताए गए दिनों को याद किया।

गेस्ट ऑफ ऑनर जस्टिस श्री सुरेन्द्र सिंह, पूर्व, जज, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद ने अपने

समय को याद करते हुए 1980 के दशक के महाविद्यालय के परिस्तिथियों को रखा, छात्र और महाविद्यालय के विकास में स्पोर्ट्स की भूमिका को रेखांकित किया।

प्रो. राम किशोर शास्त्री, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद ने कहा की मैं जो भी आज हूं उसका पूरा श्रेय महाविद्यालय को जाता है। उन्होंने तत्कालीन छात्र राजनीति में महाविद्यालय की भूमिका को याद करते हुए कहा कि महाविद्यालय, इलाहाबाद के छात्र राजनीति का केंद्र हुआ करता था। वरिष्ठ एडवोकेट श्री विद्या भूषण उपाध्याय, छात्र संघ, सी. एम. पी. के प्रथम अध्यक्ष ,1962 ने अपने समय को याद करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने छात्र– शिक्षक संबंध को पारिवारिक बनाने पर जोड़ दिया। डॉ. प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, पूर्व प्राचार्य, सी. एम. पी., कॉलेज,प्रो. रविन्द्र धर, पदार्थ विज्ञान, इलाहाबाद विश्वविद्याल, प्रो. प्रकाश सिन्हा, प्राचीन इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो . संदीप मल्होत्रा, प्राणी विज्ञान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय मशहूर कवि श्लेष गौतम, शपूर्व छात्र संघ अध्यक्ष, श्री रघुनाथ द्विवेदी इत्यादि ने भी अपने स्मृतियों को साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान

पुरा छात्रों को प्राचार्य के द्वारा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के द्वार एलुमनी से जुड़े स्मृति को सहजने की लिए एक पुरा छात्र गैलरी का उदघाटन किया गया । ज्ञात हो कि सी. एम. पी. महाविद्यालय की स्थापना सन 1950 में हुआ था और महाविद्यालय सत्र 2024–2025 को हीरक जयंती के रूप में मना रहा है। सम्मेलन में 1956 से लेकर हाल के वर्ष तक के पुरा छात्र देश के विभिन्न भागों से शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री राजेंद्र श्रीवास्तव, महासचिव, सी एम पी कॉलेज एलुमनी वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा किया गया। मंच संचालन डॉ. ऋतु रघुवंशी ने किया। इस मौके पर सौ से ज्यादा पूर्व छात्र , महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. विशाल श्रीवास्तव एवं डॉ. रमेश भारती जी का विशेष योगदान रहा।

दिव्य भाव से हरषुबाबा कृपा समिति का भव्य भंडारा सम्पन्न

सैयाबाँध के सीताराम धाम में द्वितीय वर्ष का हुआ भंडारा हजारों शिवभक्त एवं कवरियों नें लिया प्रसाद

प्रतापगढ़। सावन के पावन माह में हरषु बाबा कृपा समिति के तत्वाधान में प्रतिवर्ष शिव भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया जाता है। समिति के द्वारा रविवार को यह आयोजन किया जिसमें दोपहर से ही शुरू हुआ भंडारा देर रात तक चलता रहा और शिव भोले महाकाल के जयकारे का उद्घोष

और भक्तिभाव श्रद्धालुओं का जमावड़ा आने जाने वालों के लिए बेहद आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही आने जाने वाले लोगों को श्रद्धा भाव से प्रसाद के लिए समिति के पदाधिकारियों का उन्हें बुलाना और भीड़ में प्रसाद को पाना एक अद्भुत भाव प्रकट करते साफ देखा गया। इधर दिव्य प्रसाद को लेकर तृप्त हुए श्रद्धालुओं नें जमकर उत्साह दिखा। समिति के राकेश शर्मा, धीरेन्द्र मिश्रा मोनू, तेजस्वी भट्ट, सचिन मौर्य, रजनीश वैश्य, संदीप तिवारी नें बताया कि सावन माह में यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है जिसमें कावरियों तथा शिवभक्तो को प्रशासन ग्रहण कराया जाता है जो निरंतर चलता रहेगा।

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने मनाया स्थापना दिवस

प्रयागराज। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने अपना फाउंडर्स डे सिविल लाइन्स स्थित होटल गैलेक्सी में धूमधाम से मनाया। अध्यक्ष शशांक जैन ने बताया कि यह क्लब का चौथा स्थापना दिवस है। वर्ष 2021 में इसी दिन रोटरी क्लब ऑफ प्रयागराज प्लैटिनम की स्थापना हुई थी और इस दिन क्लब को रोटरी इंटरनेशनल से चार्टर प्राप्त हुआ था। स्थापना दिवस को चार्टर्स नाईट के रूप में मनाया जाता है।

मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने जानकारी दी कि कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रतीक पांडेय ने किया। सबसे पहले सचिव सुमित अग्रवाल, अध्यक्ष शशांक जैन और कोषाध्यक्ष विकल्प अग्रवाल ने मंच ग्रहण किया। सभा के आरंभ में अध्यक्ष और सचिव को कालर पहनाया गया। राष्ट्रगान और दीप प्रज्वलन के बाद चार्टर अध्यक्ष रितेश सिंह ने सेंटर फॉर साइट के डॉक्टर्स एवं प्लैटिनम के चार्टर एवं वर्तमान सदस्यों और अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अध्यक्ष शशांक जैन ने सभा को संबोधित करते हुए क्लब की स्थापना और अपने कार्यकाल के दौरान किए गए और भविष्य में होने वाले प्रोजेक्ट्स और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। रोटेरियन अपूर्व ने अध्यक्ष से सभी फाउंडर सदस्यों को सम्मानित करने का आग्रह

किया। रोटेरियन डॉक्टर इमरान अहमद ने बोर्ड मेंबर्स को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की फाइल सौंपी। रोटेरियन एकता तलवार और साधना कात्याल ने नए सदस्य स्वाति केसरवानी, नेहा भटनागर, और विष्णु केसरवानी को शपथ ग्रहण करवाई और क्लब की सदस्यता प्रदान की।

क्लब की मासिक पत्रिका श्मुस्कानश का अनावरण अध्यक्ष शशांक जैन, रोटेरियन डॉक्टर ऋषि सहाय, डॉक्टर शरद जैन और पत्रिका सह सम्पादक मनीष गर्ग द्वारा किया गया। श्प्राउड टू बी रोटेरियनश का मोमेंटो रोटेरियन संजय सिंह ने क्लब मासिक पत्रिका श्मुस्कानश में सदस्यों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए प्रदान किया। अध्यक्ष शशांक जैन द्वारा रोटरी इंटरनेशनल को भेजे गए दो सुझावों का सभी ने स्वागत किया, जिसमें आर आई शुल्क को घटाना और मेंबरशिप रिटेंशन को लेकर दिए गए सुझावों की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर और पूरी डिस्ट्रिक्ट 3120 में सराहना की गई। सत्र 2023–24 में रोटरी फाउंडेशन में पॉल हैरिस उपाधि के लिए दिए गए अनुदान के लिए पूर्व अध्यक्ष पियुष रंजन अग्रवाल और पूर्व मंडलाध्यक्ष सतपाल गुलाटी ने रोटेरियन संजय तलवार, सन्दीप जैन, शशांक जैन और दीपक गुप्ता को पी एच एफ पिन पहनाकर उनका धन्यवाद और अभिनंदन किया। रोटेरियन अजय कुमार शर्मा को श्मन की बातश कार्यक्रम आयोजित करने के लिए और रोटेरियन प्रमोद बंसल को इंटरनेशनल प्लास्टिक बैग फ्री डे पर कपड़े के झोले प्रदान करने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। क्लब के प्रोजेक्ट्स और कार्यक्रम में सर्वाधिक उपस्थिति के लिए रोटेरियन प्रमेय मित्तल और रोटेरियन पारुल अग्रवाल को सम्मानित किया गया। रोटेरियन सन्दीप कात्याल ने पूर्व अध्यक्षों, सचिवों और कोषाध्यक्षों को लीडरशिप अवार्ड्स से नवाजा। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने उपस्थित मीडिया बन्धुओं का सम्मान किया। रोटेरियन दीपक गुप्ता ने सनशाइन राहत कोष हेतु सदस्यों से धनराशि इकट्ठा की। सचिव सुमित अग्रवाल ने सेक्रेटरी अनाउंसमेंट किया और अंत में क्लब ट्रेनर संजय तलवार ने

संक्षिप्त

सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राणीशास्त्र विभाग में हिपेटाइटिस पर विशेष व्याख्यान संपन्न

प्रयागराज। आज सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राणीशास्त्र विभाग में हिपेटाइटिस पर एक विशेष व्याखान का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन की सह–आचार्या डॉक्टर रवि रानी मिश्रा ने हिपेटाइटिस रोग से संबंधित कारक, बचाव, टीका और उपचार आदि पर बृहद प्रकाश डाला। डॉ. रवि रानी ने हिपेटाइटिस की गंभीरता और उससे होने वाली मृत्यु का आंकड़ा भी प्रस्तुत किया। व्याख्याता रवि रानी का स्वागत विभाग

की संयोजिका डॉ. विनीता जयसवाल और डॉ. चारु त्रिपाठी ने किया। डॉ. विनय कुमार सिंह और डॉ. आशीष कुमार मिश्रा ने व्याख्यान को संयुक्त रूप से आयोजित किया। डॉ मनोज जायसवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान के दौरान डॉ. हेमलता पंत, डॉ. ज्योति वर्मा, डॉ. अजीत कुमार सिंह, डॉ. अनुराधा सहित महाविद्यालय के अन्य विभागों के प्रोफेसर उपस्थित थे।

हरियाली तीज पर आयोजित आनलाइन काव्यगोष्ठी

प्रयागराज । श्री ब्रजराज काव्य कला संघ के संयुक्त तत्वाधान में शहर समता, हमारा हिन्दुस्तान ,हमारा प्यारा भारत, श्रीधा न्यास , प्रयागराज कुंभ कलरव, श्री ब्रजराज काव्य कला बाल संघ, कुसुम छन्दशाला आदि सात संस्थाओं द्वारा हरियाली तीज पर आधारित काव्यगोष्ठी का सफल आयोजन हुआ। इस आयोजन में संस्था के प्रमुख अपने–अपने काव्य परिवार के सदस्यों के साथ श्रीब्रजराज आंगन में आयोजित काव्य कलरव हरियाली तीज महोत्सव में अपने सुरम्य में काव्य पाठ किया। सरस्वती वन्दना अमिता गुप्ता नव्या ने प्रस्तुत की। । इस आयोजन में 69सदस्यो ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रचना सक्सेना एवं ऋतु पाण्डेय त्रिधा जी ने किया । इस कार्यक्रम में जया मोहन श्रीवास्तव को एवं अनामिका तिवारी को सर्वोच्च रचनाकार चुना गया।

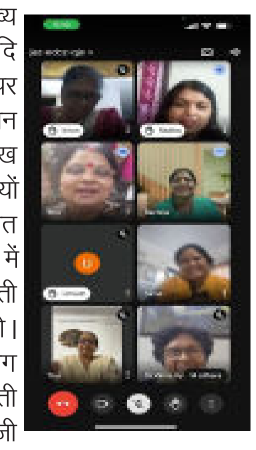

प्रदेशीय वॉलीबाल में टेक्निकल चेयरमैन के पद पर निर्वाचित हुए आर.पी.शुक्ला

पूर्व राष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी व डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,प्रयागराज के है महासचिव

मेजा। गत दिवस रविवार को लखनऊ स्थित के.डी.सिंह बाबू स्टेडियम में उत्तर प्रदेश वॉलीबाल संघ का चुनाव संपन्न हुआ,जिसमें आगामी चार वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी एवं जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज के चेयरमैन जॉर्ज्नएच.नाथ ने बताया कि उत्तर प्रदेश वॉलीबाल संघ के प्रबंध समिति की नई समिति में प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर.पी.शुक्ला को चार वर्षों के अंतराल के बाद पुनः आगामी चार वर्षों के

लिए चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया है। जिससे वॉलीबाल के क्षेत्र में प्रयागराज का गौरव बढ़ा है तथा वॉलीबाल खिलाड़ियों में हर्ष की लहर है। उत्तर प्रदेश वॉलीबाल संघ के चुनाव में आर.पी.शुक्ला को टेक्निकल चेयरमैन के पद पर चुने जाने पर वॉलीबाल खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों व अन्य पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयां दी है। जिसमें मुख्य रूप से डॉ.जय प्रकाश शर्मा, के.बी.एल.श्रीवास्तव, फूलचंद गुप्ता, अल्ताफ अली, रामाश्रय राय, के.पी.सिंह, प्रभाकर चौबे, के.के.मिश्रा, बी.एच.जैदी, अजय राय, पी.के.पांडेय एडवोकेट, बर्फी लाल यादव, राजित राम शुक्ला, विनोद कुमार, प्रमोद कुमार राय, सी.पी.मिश्रा, वाई.एन.सिंह, आशीष कुमार, नीरज श्रीवास्तव, अशोक दीक्षित, राकेश भास्कर, सतेंद्र पांडेय, अकांत गुप्ता, धनजंय राय, रामनिवास यादव, सरदार कुलदीप सिंह, विकास बाल्मीकि, संतोष सिंह आदि ने अभिनन्दन के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम कोर कमेटी की बैठक में टीबी नोटिफिकेशन को बढ़ाने एवं ड्रग रेसिस्टेंट टीबी के मरीजों की समस्याओं की दी गयी जानकारी

प्रतापगढ़। डॉक्टर सोनेलाल पटेल स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 शैलेन्द्र कुशवाहा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत कोर कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्टेट टास्क फोर्स उत्तर प्रदेश के वाइस चेयरपर्सन डॉक्टर

ए0 डी0 शुक्ला मुख्य अतिथि रहे। बैठक में डी आरटीबी सेंटर के नोडल डॉक्टर वकील अहमद द्वारा मेडिकल कॉलेज के सभी विभागों के विभागध्यक्ष द्वारा टीबी नोटिफिकेशन को बढ़ाने के लिए आग्रह किया गया एवं ड्रग रेसिस्टेंट टीबी के मरीजों की समस्याओं के बारे में अवगत कराया। जिला क्षय रोग अधिकारी डा0 संदीप सक्सेना द्वारा जनपद में चल रहे राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति के बारे में चर्चा की एवं सभी सूचकांकों को विस्तार पूर्वक बताया। बैठक में डबलू0एच0ओ0 कंसलटेंट डॉक्टर कार्थी विजय, जिला कार्यक्रम समन्वयक, जिला पीपीएम समन्वयक, पीएमडी टी समन्वयक, एसटीएस, एसटीएलएस एवम् टीबी एचवी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

सम्पादकीय.......

दूसरों को दें जीवन का उपहार

हर साल देश को करीब 50 हजार दिल, दो लाख किडनी और 50 हजार लिवर की जरूरत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट व पीजीआई समेत अन्य मेडिकल संस्थाओं के शोध के अनुसार गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए प्रतिवर्ष 50 हजार फेफड़ों और 40–50 हजार लिवर और 2500 पेनक्रियाज (अग्नाशय) की आवश्यकता होती है। अंग फेल होने की वजह से हर साल 3 लाख लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। दस लाख लोगों में से 232 की जान किडनी नहीं मिलने की वजह से हर साल जाती है। हर साल 5 लाख लोगों को अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है जबकि 52 हजार के करीब ही मिल पाते हैं। इसी तरह हर साल दो लाख कॉर्निया की जरूरत होती है जबकि 50 हजार ही उपलब्ध हो पाती है। इनमें प्रत्येक 4 में से 3 व्यक्ति आंखों की रोशनी पाने के लिए डोनेशन का इंतजार करते हैं। अंगदान कम होने के पीछे काफी मिथक भी हैं, जिन्हें समाज से दूर करने की आवश्यकता है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार हर साल करीब 1.5 लाख लोग सड़क दुर्घटना में जान गंवाते हैं। डेढ़ से दो लाख लोगों की स्ट्रोक के कारण मौत हो जाती है, लेकिन ज्यादातर मृतकों के परिजन अंगदान के लिए अपनी सहमति नहीं देते। इसके बावजूद पीजीआई चंडीगढ़ देशभर में अंगदान कराने में नंबर वन है। पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा मरीजों की जान बचाने के लिए भगीरथ प्रयास लगातार जारी हैं, जिनमें काफी सफलता भी मिल रही है। अंग प्रत्यारोपण के लिए पीजीआई को कई बार केंद्र सरकार द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषि व शिबि जैसे राजा का देश है। असुरों से जन सामान्य की रक्षा हेतु महर्षि दधीचि ने अपना देहदान कर दिया था और राजा शिबि ने एक कबूतर के लिए अपने प्राणों का बलिदान करना स्वीकार किया था। एक ने असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपनी अस्थियां दान की तो दूसरे ने शरणागत जीव के लिए बलिदान की ठानी। परंतु समय के साथ देश में अंगदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई है। निश्चित तौर पर अंगदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। दुनिया से विदा लेने के बाद भी इंसान जीवित रह सकता है और इसके लिए अमृत की जरूरत भी नहीं। बस! अंगदान जैसा पुण्य कार्य करना पड़ेगा। दरअसल, अंगदान के इंतजार में कई बेटे, कई पिता, कई माएं–बहनें, कई भाई और कई दोस्त जिंदगी की जंग हार जाते हैं। लेकिन व्यक्ति अंगदान कर मौत के बाद भी किसी अन्य को जिंदगी दे सकता है। दुनिया से जाने वाले जाने चले जाते हैं कहां, कैसे ढूंढे कोई उनको, नहीं कदमों के भी निशां३ अंगदान ने इन वाक्यों को गलत साबित किया क्योंकि अंगदान के जरिये दुनिया से जाने के बाद भी कोई किसी के सीने में दिल बन धड़क रहा है तो कोई दूसरों की आंखों से दुनिया से जाने के बाद भी दुनिया देख रहा है।

सोशल मीडिया बनाम दूधारी तलवार

प्रेम शर्मा

ठगों ने अब फेसबुक आईडी हैक कर दोस्तों से पैसे मांगने शुरू कर दिए हैं तो कई एप ऐसे भी हैं जिन पर आकर्षक सामान दिखाकर लोगों को खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है और फिर बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर होने के बाद ठगी का अहसास होता है।

जनवरी 2024 में भारत की जनसंख्या 1.44 बिलियन थी। 2024 की शुरुआत में भारत में 751.5 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता थे, जब इंटरनेट की पहुंच 52.4 प्रतिशत थी। जनवरी 2024 में भारत में 462.0 मिलियन सोशल मीडिया उपयोगकर्ता थे, जो कुल जनसंख्या का 32.2 प्रतिशत है। इस आकड़े में प्रतिदिन जबरदस्त इजाफा हो रहा है। यानि आने वाले समय में सोशल मीडिया का विस्तृत रूप देश दुनिया के सामने होगा। 2024 की शुरुआत में भारत में कुल 1.12 बिलियन सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन सक्रिय थे, यह आंकड़ा कुल जनसंख्या के 78.0 प्रतिशत के बराबर है। सोशल मीडिया और सूचना के फायदे और नुकसान इस बात पर निर्भर करते हैं कि इसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है। एक तरफ, मीडिया का इस्तेमाल जनता को सूचित करने, मनोरंजन करने, शिक्षित करने, लोगों को जोड़ने और महत्वपूर्ण कारणों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। दूसरी तरफ, इसका इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने और लोगों का शोषण करने के लिए भी किया जा सकता है। सोशल मीडिया दुनिया भर के लोगों से जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण साधन है और इसने विश्व में संचार को नया आयाम दिया है। सोशल मीडिया उन लोगों की आवाज बन सकता है जो समाज की मुख्य धारा से अलग हैं और जिनकी आवाज को दबाया जाता रहा है। सोशल मीडिया के नकारात्मक पहलू है, जिसकी आज के समय में अनदेखी नहीं की जा सकती है। आज सोशल मीडिया के मंच पर ऑनलाइन ठगी की वारदातें काफी बढ़ गई हैं। ठगों ने अब फेसबुक आईडी हैक कर दोस्तों से पैसे मांगने शुरू कर दिए हैं तो कई एप ऐसे भी हैं जिन पर आकर्षक सामान दिखाकर लोगों को खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है और फिर बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर होने के बाद ठगी का अहसास होता है। लगातार इंटरनेट का इस्तेमाल करने से लोग मेडिकल डिसऑर्डर का शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया ने घर में ही लोगों में दूरी पैदा कर दी है। इसके कारण लोग तनाव के शिकार हो रहे हैं। यानि यह तो तय है कि सोशल मीडिया दूधारी तलवार है। सोशल मीडिया ने आपकी दिमागी कसरत को कम कर दिया है। इसके घातक परिणाम भी सामने आ सकते है। कई कई घन्टे सोशल मीडिया में रमें रहने वाले युवाओं की हालत आज किसी से छूपी नही है। सोशल मीडिया से धन कमाने की लालच में जिस तरह के वीडियों, फोटो या अन्य अश्लीलता फैलाने वाली सामग्री परोसी जा रही है। वह हमारे नैतिक और सामाजिक पतन का संकेत है। ऐसा नही कि सोशल मीडिया केवल नकारात्मक वातावरण का सृजन कर रही बल्कि वर्तमान में सोशल मीडिया कई व्यवसायियों के लिये व्यवसाय के एक अच्छे साधन के रूप में कार्य कर रहा है। सोशल मीडिया के साथ ही कई प्रकार के रोजगार भी पैदा हुए हैं। वर्तमान में आम नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिये सोशल मीडिया का प्रयोग काफी व्यापक स्तर पर किया जा रहा है।कई शोधों में सामने आया है कि दुनिया भर में अधिकांश लोग रोजमर्रा की सूचनाएँ सोशल मीडिया के माध्यम से ही प्राप्त करते हैं। इसके ठीक विपरीत कई शोध बताते हैं कि यदि कोई सोशल मीडिया का आवश्यकता से अधिक प्रयोग किया जाए तो वह हमारे मस्तिष्क को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है और हमे डिप्रेशन की ओर ले जा सकता है। सोशल मीडिया साइबर–बुलिंग को बढ़ावा देता है।यह फेक न्यूज और हेट स्पीच फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।सोशल मीडिया पर गोपनीयता की कमी होती है और कई बार आपका निजी डेटा चोरी होने का खतरा रहता है। साइबर अपराधों जैसे– हैकिंग और फिशिंग आदि का खतरा भी बढ़ जाता है। आजकल सोशल मीडिया के माध्यम से धोखाधड़ी का चलन भी काफी बढ़ गया है, ये लोग ऐसे सोशल मीडिया उपयोगकर्त्ता की तलाश करते हैं जिन्हें आसानी से फँसाया जा सकता है। सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर सकता है। एक आकड़े के अनुसार दुनिया के 58.4 प्रतिशत लोग (462 करोड़) सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक– 2020 से 2022 तक सोशल मीडिया से 42 करोड़ 40 लाख नए यूजर्स जुडे। एक साल में यूजर्स में 10.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। सबसे फेवरेट सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक रहा, जिसे 290 करोड़ लोग चलाते हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर यूट्यूब है, जिसे 250 करोड़ लोग चलाते है। सोशल नेट वर्किंग साइट्स पर लोगों का डेली यूज भी बढ़ गया है। सोशल मीडिया का यूज करने का समय 1.4 प्रतिशत बढ़ गया है। अब लोग सोशल मीडिया का ऐवरेज 2 घंटा 27 मिनट तक यूज करते हैं।वहीं, भारत के 47 प्रतिशत (46 करोड़) से ज्यादा लोग सोशल मीडिया का यूज करते हैं। भारत में सोशल मीडिया के यूजर्स भी 4.2 प्रतिशत बढेध हैं। भारत का सबसे पॉपुलर सोशल मीडिया प्लैटफार्म वॉट्सऐप है, इसका इस्तेमाल 48 करोड़ से ज्यादा लोग करते हैं। वहीं, देश में सोशल मीडिया को यूज करने के समय में भी 4 से 6 घंटे तक बढ़ गया है। देखा जाए तो भारत में सोशल मीडिया ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ने और खुलकर अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर दिया है। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया अपनी आलोचनाओं के कारण भी चर्चा में रहता है। दरअसल, सोशल मीडिया की भूमिका सामाजिक समरसता को बिगाड़ने और सकारात्मक सोच की जगह समाज को बाँटने वाली सोच को बढ़ावा देने वाली हो गई है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून बनाने में केंद्र की कोताही

योगेंद्र योगी

विपक्षी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाली केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जनप्रतिनिधियों के भ्रष्टाचार रोकने के लिए कानून बनाने में नाकाम रही है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई को लेकर याचिका पर सुनवाई स्वीकार करना स्वीकार कर लिया है। देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में एक जनहित रिट याचिका पर आदेश दिया था कि चुनाव लडने़ वाले प्रत्याशियों के अलावा उनके परिवार के लोगों की सम्पत्ति और आय के स्त्रोतों की जानकारी देने के लिए केंद्र सरकार कायदे–कानून बनाए। करीब 6 साल बीतने के बावजूद केंद्र सरकार इस आदेश की पालना करने में विफल रही। इस पर केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई को लेकर दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विपक्षी दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। प्रधानमंत्री मोदी सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर कटाक्ष किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गुट को भ्रष्ट लोगों का जमावड़ा बताया था। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष पर निशाना साधते हु कहा था कि विपक्षी नेता नोटों के बंडलों के साथ रंगे हाथों पकड़े जा रहे हैं। झारखंड और बंगाल में ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं। वे दिल्ली की जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ते। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि राजनीति में बदलाव के लिए आए लोगों ने दिल्ली की जनता को धोखा दिया है। पीएम ने कहा था कि शराब घोटाला हो या नेशनल हेराल्ड घोटाला, भ्रष्टाचारियों से एक–एक पैसा वसूला जाएगा। यह मोदी की गारंटी है। जिसने भी लूट की है, उसे जनता का पैसा वापस करना होगा। हम इस पर कानूनी राय लेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी भ्रष्ट लोगों के धन का एक्स–रे करेंगे। जिन्होंने लूट की है, उन्हें जेल जाना होगा। इतना ही नहीं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना एनडीए सरकार का एक मिशन है, न कि चुनावी लाभ का मामला। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार और काले धन पर और अधिक कार्रवाई करने का संकल्प लेते हुए कहा कि सरकार ने जांच एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी आजादी दे दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्रवाई में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पहले आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ सबूतों के साथ गंभीर आरोप लगाने और बाद में लोकसभा चुनाव लडने़ के लिए उसके साथ गठबंधन करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं बिना किसी झिझक के यह कहना चाहता हूं और देशवासियों को भी बताना चाहता हूं कि मैंने एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की पूरी आजादी

दी है। सरकार कहीं भी हस्तक्षेप नहीं करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें (जांच एजेंसियों को) ईमानदारी के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए। भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी व्यक्ति कानून से बच नहीं पाएगा। यह मोदी की गारंटी है। विपक्षी सदस्यों के इस आरोप का जिक्र करते हुए कि सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, प्रधानमंत्री मोदी ने दिवंगत मुलायम सिंह यादव जैसे विपक्षी नेताओं के बयानों का हवाला दिया, जिन्होंने यूपीए सरकार पर उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता करार दिया था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों पर आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप शराब घोटाला करती है, आप भ्रष्टाचार करती है, आप बच्चों के लिए कक्षाएं बनाने में घोटाला करती है, आप पानी घोटाला भी करती है... कांग्रेस आप के खिलाफ शिकायत करती है। कांग्रेस आप को अदालत में घसीटती है और अगर कार्रवाई होती है तो वे मोदी को गाली देते हैं। इन आरोपों के जवाब में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दलों का कहना था कि भाजपा जिन नेताओं पर करोड़ों के घोटाले का आरोप लगाती है, बाद में उन्हें ही अपनी पार्टी में शामिल करवा कर केस वापस ले लेती है। भाजपा के पास ऐसी वॉशिंग मशीन है, जिसमें 10 साल पुराना केस भी डालो तो आरोपी बेदाग होकर निकलता है। कांग्रेस ने विपक्ष के ऐसे 51 मामलो को गिनवाया जिन पर कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा उन्होंने 20 केस ऐसे गिनाए, जिनमें भाजपा और उसकी सहयोगी दल के नेताओं पर केस दर्ज हैं। लेकिन वह अभी तक बचे हुए हैं और उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। कांग्रेस ने एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल का नाम लेकर कहा था कि भाजपा ने प्रफुल्ल पटेल पर अरबों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था लेकिन जब वे एनसीपी छोड़ भाजपा में शामिल हुए तब उनके सारे दाग धुल गए और वे बहुत अच्छे इंसान हो गए। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता सरमा का भी नाम लिया और कहा कि इनकी कहानी भी सेम है। गौरतलब है कि असम के मुख्यमंत्री पर गुवाहाटी में जलापूर्ति घोटाले का आरोप लगा था। नारायण राणे के खिलाफ ईडी–सीबीआई ने कई मामले दर्ज किए। अजीत पवार घोटाले के आरोप में ईडी द्वारा जांच चल रही थी। कांग्रेस की तरफ से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण पर भाजपा ने आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाले का आरोप लगाया था लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद इनके खिलाफ मामला आगे नहीं बढ़ा। इसके अलावा हसन मुश्रीफ और छगन भुजबल इन दोनों पर भाजपा ने मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया था। जिसके बाद श्वष्ठ ने इन पर कार्रवाई भी की थी. लेकिन इनके एनसीपी से अलग हो जाने के बाद इनके खिलाफ सारी कार्रवाइयां बंद हो गईं। गौरतलब है कि भारत भ्रष्टाचार के मामले में विश्व में बदनाम है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2023 में 180 देशों में से भारत 93वें स्थान पर रहा। जबकि वर्ष 2022 में भारत की रैंक 85 थी। यह सूचकांक विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के कथित स्तर के आधार पर 180 देशों और क्षेत्रों को रैंक करता है। भारत में हर तरफ भ्रष्टाचार का खुलासा एक अंतरराष्ट्रीय सर्वे में भी हो चुका है। सर्वे में शामिल कुल कंपनियों में से 80 फीसदी ने कहा है कि 2015–16 में वह भ्रष्टाचार से जुड़े धोखाधड़ी का शिकार हुई हैं। 2013–14 में ऐसी कंपनियों की संख्या 69 फीसदी थी। सवाल यही है कि देश में जब हर तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त हो तब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के जनप्रतिनिधियों सम्पत्ति और आय स्त्रोतों आदेश पर कानून बनाने में कोताही क्यों बरती है। केंद्र सरकार का यह रवैया भ्रष्टाचार के खिलाफ वादे–दावों के अंतर को बताता है। यदि ऐसा नहीं होता तो करीब 6 साल पहले दिए गए फैसले की पालना केंद्र सरकार कर चुकी होती। अब नौबत अदालत की अवमानना की आ गई है। ऐसे में केंद्र सरकार भ्रष्टाचार को देश से जड़मूल से उखाडने़ के वादों को आत्मविश्लेषण करने की आवश्यकता है।

स्वाधीनता संग्राम में हिंदी भाषा की अहम भूमिका

संजीव ठाकुर

देश की स्वतंत्रता के 75 साल गुजर जाने के बाद भी हिंदी भाषा को अभी तक राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया गया है। पर यह सत्य है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा होने का स्वमेव गौरव प्राप्त है वैश्विक स्तर पर हिंदी का परचम लहरा रहा है और हिंदी को किसी मान्यता प्राप्त होने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है। किंतु औपचारिक रूप से सरकार को चाहिए हिंदी को राष्ट्रभाषा का उसका अपना गौरव प्रदान करें। राष्ट्रभाषा बनने के साथ–साथ इतनी समृद्ध शाली, ऐतिहासिक हिंदी भाषा को कम से कम देश के हर प्रांत को एकता के सूत्र में बांधने वाली जन भाषा होनी ही चाहिए। अलग–अलग प्रदेशों कि स्थानीय मूल बोलियों, भाषाओं का हम कतई विरोध नहीं करते पर हिंदी को भारत में कम से कम सर्वोच्च सम्मान देकर राष्ट्रभाषा होने का गौरव हासिल होना ही चाहिए साथ ही स्थानीय भाषाओं से ऊपर हिंदी को जन भाषा का यथोचित सम्मान प्राप्त होना हो। यह अलग बात है कि भारत देश में अलग–अलग प्रांतों में अलग–अलग भाषाएं बोली जाती है और स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने 22 भाषाओं को संवैधानिक रूप से मान्यता प्रदान की है, पर हमारी हिंदी सर्वाधिक बोली जाने वाली तथा लिखी जाने वाली भाषा है। देश में हिंदी बोलने तथा पढ़ने वालों की संख्या लगभग 65 से 70 करोड़ है, यह भाषा की बहुलता ,विविधता ही है जिसके कारण भाषाई विवाद की स्थिति उभरी है, और सर्वाधिक नुकसान हिंदी को उठाना पड़ा है। वर्ष 2008 में विश्व हिंदी सम्मेलन न्यूयॉर्क (अमेरिका) में भारतीय साहित्यकारों, कवियों को चिंतकों ,प्रोफेसर, चिंतकों, पत्रकारों ने बड़े जोर शोर से संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा बनाने हेतु मान्यता देने के लिए पुरजोर कोशिश की थी। कोशिश तो हमेशा ही की जानी चाहिए और यह बड़ी ही सार्थक पहल भी थी, पर इसके पूर्व भारत के हिंदी साहित्य के विद्वानों को हिंदी को पहले अपने देश में राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलवाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने भी कहा है, निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति के मूल। बिनु निज भाषा ज्ञान के मिटत ना हिय को शूल। देश में भाषाई विविधता के कारण हिंदी को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है ।इसके अलावा कुछ स्वार्थी राजनीतिक के लोग नहीं चाहते कि हिंदी को सर्वोच्च सम्मान मिले और इसके लिए विभिन्न प्रकार के विरोध एवं आंदोलन भी करते रहे हैं, इसके अलावा लोगों को उकसा कर जन आंदोलन का रूप भी देने का प्रयास करते रहे हैं जो अत्यंत निंदनीय है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में यह महसूस किया था कि हिंदी दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर सबसे ज्यादा लोगों की संपर्क भाषा थी। देश के विभिन्न भाषा भाषी लोग हिंदी भाषा में ही संपर्क कर के अपने संदेश तथा सूचना एक दूसरों को प्रदान किया करते थे,और हिंदी भाषा के संपर्क सूत्रों के चलते ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अथक मेहनत कर हिंदी की सहायता से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। हिंदी की सार्वभौमिक स्थिति एवं बड़े समुदाय द्वारा बोले जाने वाली भाषा के रूप में स्थापित होने के बाद इसे राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया गया था। हिंदी एक व्यापक भाषा है जिस की लिपि देवनागरी होने के कारण अत्यंत सरल एवं आवश्यकता अनुसार दूसरी भाषाओं को और उनके शब्दों को बड़ी सुगमता से आत्मसात करने की क्षमता तथा विशालता है। हिंदी देशवासियों की भावनात्मक भाषा भी है इसका देश की एकता तथा अखंडता में एक का बड़ा योगदान रहा है। हिंदी एक बड़ी सक्षम तथा विशाल भाषा का दर्जा भी रखती है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिस जिस ने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया। 14 सितंबर 1949 को संविधान की सभा ने एकमत से हिंदी को भारत की राजभाषा बनाए जाने का निर्णय भी लिया इसीलिए भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का संकल्प लिया गया। हिंदी दिवस मनाए जाने का एकमात्र उद्देश्य इसके व्यापक प्रचार–प्रसार एवं राजकीय प्रयोजनों में इसके ज्यादा से ज्यादा उपयोग को बढ़ावा देने का है। केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में देखा गया है कि वहां पर स्लोगन दीवारों पर लिखे गए हैं कि हिंदी का उपयोग लिखने एवं पढ़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा करें। विडंबना यह है कि भारत में ही हिंदी के प्रचार–प्रसार की हमें आवश्यकता पड़ रही है। यद्यपि ऐसा होना नहीं चाहिए। हिंदी को राष्ट्रभाषा बना कर इसका अनिवार्य रूप से उपयोग शासकीय कार्यालयों तथा जनसभाओं में किया जाना चाहिए देश के पूरे प्रदेशों में इसको समान रूप से स्वीकृत भाषा का दर्जा दिया जाना चाहिए। हमने इंग्लैंड, अमेरिका, स्विजरलैंड और अन्य देशों की यात्राएं भी है पर वहां कहीं भी उनकी अपनी भाषा के उपयोग के लिए कार्यालय में स्लोगन लिखा जाना नहीं देखा गया,तो भारत में ही क्यों। सवाल इसलिए उठता है कि हमारे दक्षिण तथा कुछ अन्य राज्यों में हिंदी को हिकारत की नजर से देख कर हिंदी वासियों से दूरी बनाई रखी जाती है। यह भी हिंदी भाषा तथा देश के लिए विडंबना ही है। एनी बेसेंट ने बिल्कुल सच कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सर्वाधिक प्रभावशाली बन कर उभरी है वह है हिंदी भाषा। जो व्यक्ति हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर सकता है पर हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है। हिंदी का बड़ा नुकसान अंग्रेजी भाषा ने भी किया है दक्षिण में स्थानीय भाषाओं के अलावा अंग्रेजी बहुतायत में बोली जाती है पर ना जाने क्यों हिंदी बोलने से बेशक परहेज करते हैं। सबको अपनी भाषा बोलने का अधिकार है पर हिंदी का अपमान करने का अधिकार देश में किसी को नहीं होना चाहिए। कई विद्वानों के सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि इस विश्व में हिंदी सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा है उसने अंग्रेजी भाषा को पीछे छोड़ दिया है। यह सर्वे की रिपोर्ट कितनी प्रमाणित है यह तो मालूम नहीं लेकिन निकट भविष्य में ऐसी संभावनाएं बन सकती है कि जब हिंदी वैश्विक भाषा बनकर तेजी से उभरेगी। हिंदी को राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी शासन ने अनेक योजनाओं को मूर्त रूप दिया है जिनमें कक्षाओं कवि सम्मेलन नाटकों संगोष्ठी में हिंदी अनुसंधान ओ हिंदी टंकण आदि के बढ़ावा देने के साथ हिंदी पत्र–पत्रिकाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रयास किया है।

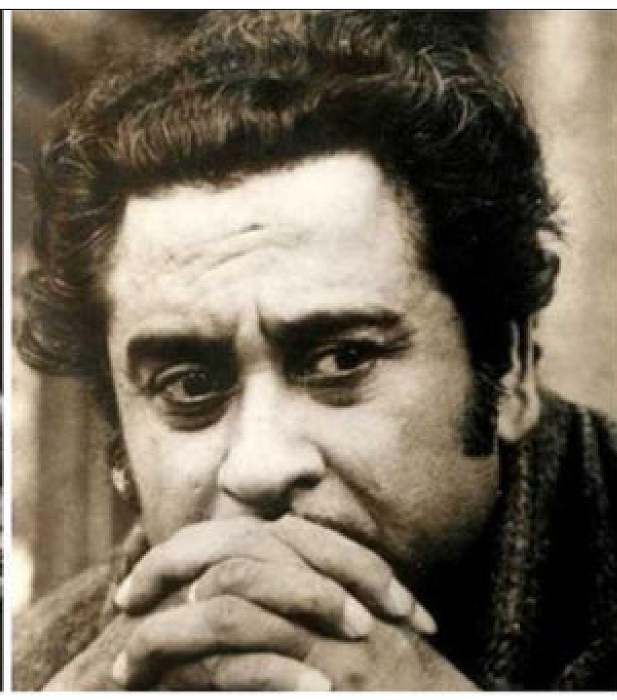

बर्थ डे स्पेशल: खुशमिजाज किशोर कुमार थे उसूल पाबंद भी, देश की पीएम तक को किया नाराज

किशोर कुमार हरफनमौला कलाकार का नाम था। एक ऐसे शख्स जो अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते थे। अपने पीछे गायकी की समृद्ध विरासत छोड़ गए। उनकी गायकी कमाल थी तो योडलिंग कमाल। इस कलाकार को ताउम्र किसी से डर नहीं लगा। देश की पीएम इंदिरा गांधी तक को न कहने की हिम्मत दिखाई लेकिन इसी कलाकार को लता दीदी की एक बात डराती थी! किशोर कुमार ने खुद कहा था कि वो लता मंगेशकर की एक आदत से असहज महसूस करते हैं और ये आदत थी स्वर कोकिला का अनुशासन। एक किस्सा खुद किशोर कुमार ने साझा किया था। उन्होंने कहा, मुझे आश्चर्य हुआ जब लता ने लंदन में मेरे साथ स्टेज शो करने के लिए हामी भरी। मैं रोमांचित था, लेकिन मुझे एक बात की चिंता थी–उनका अनुशासन। वह बिना रिहर्सल के कभी स्टेज पर नहीं जाती थी और मैं चीजों को बेहद सामान्य तरीके से लेता हूं। मंच पर हमें पांच डुएट गीत गाने थे। समस्या तब खड़ी हुई जब स्टेज पर जाने का समय आया। हम तय नहीं कर पा रहे थे कि पहले कौन जाएगा? मैंने सुझाव दिया कि लता पहले गाएं क्योंकि वह मेरी सीनियर हैं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बजाय वह मेरा परिचय कराने के लिए स्टेज पर चली गईं। उसने मेरी बहुत प्रशंसा की, लेकिन यह भी कहा, ''मैं उन्हें दा कहती हूँ क्योंकि वो मुझसे उम्र में बड़े हैं। मैं उनसे एक महीने और 24 दिन बड़ी हूं! इसके बाद हमने तीन शो किए। लता और किशोर ने कई बेजोड़ गीत गाए। दोनों की आवाज में अलग सी रवानगी थी। बॉन्डिंग अच्छी थी शायद यही एक वजह रही कि किशोर दा ने आखिरी इंटरव्यू भी लता दीदी को दिया। लता ने एक रिपोर्टर बनकर उनसे बात की। इसमें उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। जिसमें से एक मजेदार किस्सा दोनों की पहली मुलाकात से जुड़ा था। किशोर दा ने बताया था कि कैसे दोनों ने ट्रेन और टांगे में एक साथ सफर किया। फिर दोनों एक ही जगह पहुंचे और वो था बॉम्बे टॉकीज। लता सोचती रहीं कि किशोर कुमार उन्हें फॉलो कर रहे हैं लेकिन कुछ देर बाद ही पर्दा उठाया खेमचंद प्रकाश ने। उन्होंने फॉर्मल इंट्रोडक्शन कराया और इसके बाद दोनों खूब हंसे। किशोर दा जितने हंसमुख और मजाकिया थे उतने ही आदर्शों को लेकर अटल रहने वाले भी। एक दौर (1982–87) था जब सब अमिताभ बच्चन के पीछे कतारबद्ध थे लेकिन इस महान गायक ने राजेश खन्ना का साथ नहीं छोड़ा। काका जी की 91 फिल्मों में अपनी आवाज दी। भारत में जब आपातकाल लगा था तब भी

"किशोर कुमार हरफनमौला कलाकार का नाम था। एक ऐसे शख्स जो अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते थे। अपने पीछे गायकी की समृद्ध विरासत छोड़ गए। उनकी गायकी कमाल थी तो योडलिंग कमाल।

किशोर कुमार ने सत्ता के आगे झुकने से इनकार कर दिया। सीधा पंगा केंद्र से लिया। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 20 सूत्रीय कार्यक्रमों का प्रचार करने से मना कर दिया। नतीजतन इस हरदिल अजीज गायक के गानों को ऑल इंडिया रेडियो पर बैन कर दिया गया। इनके युगल गाने बजाए भी गए तो एडिट करके। जब उन्होंने 1975–1977 के आपातकाल के दौरान पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री के 20 सूत्री कार्यक्रम का समर्थन करने से इनकार कर दिया, तो उन्हें सरकार द्वारा नियंत्रित मीडिया अर्थात् ऑल इंडिया रेडियो और विविध भारती से प्रतिबंधित कर दिया गया। यहां तक कि उनकी आवाज वाले युगल गीतों को भी सेंसर कर दिया गया।

दलजीत कौर ने पति निखिल पटेल के खिलाफ दर्ज करवाई एफआईआर, लगाया ये गंभीर आरोप

टीवी एक्ट्रेस दलजीत कौर पिछले कई दिनों से अपनी जिंदगी में आई उथल–पुथल से परेशान हैं. दरअसल उन्होंने पिछले साल दूसरी शादी की. यूके बेस्ड बिजनेसमैन निखिल पटेल संग ब्याह रचाया. मगर इस शादी में उन्हें धोखा मिला. ऐसा उनका आरोप है. अब खबरें आ रही हैं कि दलजीत कौर ने पति निखिल पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है. हालांकि इस मामले में अभी एक्ट्रेस का बयान सामने नहीं आया है.'टाइम्स नाऊ' की रिपोर्ट के मुताबिक, दलजीत कौर ने 2 अगस्त को मुंबई के अग्रीपाड़ा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है. आईपीसी की धारा 85 और 316 (2) के तहत मामला दर्ज हुआ है. इसका मतलब है कि दलजीत ने निखिल पर जुल्म करने और धोखेबाजी का आरोप लगाया है. हाल में ही केन्या से निखिल पटेल मुंबई आए हैं. उनके साथ उनकी कथित गर्लफ्रेंड को भी स्पॉट किया गया था. दोनों की फोटो एयरपोर्ट से सामने आई थी. वहीं दलजीत ने भी 2 अगस्त को निखिल के बर्थडे पर पोस्ट लिखा था. उन्होंने लिखा था कि आज भी उनका बेटा जेडन निखिल को पापा बुलाते हैं. निखिल पटेल ने भी दलजीत कौर को लीगल नोटिस भेजा था. साथ ही कहा था कि वह आए और अपना सामान ले जाए. नहीं तो वह किसी को दान में दे देंगे. ये सब तब शुरू हुआ जब दलजीत कौर इंडिया लौट आईं. फिर उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके आरोप लगाया था कि निखिल पटेल का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चला. उन्होंने उन्हें धोखा दिया है. तब उन्होंने नैरोबी सिटी कोर्ट का रुख किया था. हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत ने दलजीत कौर को स्टे ऑर्डर मिल गया है. जहां साफ साफ अदालत ने कहा कि निखिल वाइफ के किसी भी सामान को फेंक नहीं सकते। बता दें कि दलजीत कौर की पहली शादी भी असफल रही थी. उनके पूर्व पति शालीन भनोट से हुई थी. जेडन दोनों का ही बेटे हैं. फिर, मार्च 2023 में दलजीत कौर ने निखिल पटेल संग दूसरी शादी रचाई थी. शादी के बाद वह केन्या शिफ्ट हो गई थीं।

खुद में ही 'न्सरी' गई जान्हवी कपूर की फिल्म, दूसरे दिन भी हुआ बस इतना कलेक्शन

जान्हवी कपूर की एक्शन थ्रिलर–ड्रामा 'उलझ बड़े पर्दे पर लग चुकी है. इस फिल्म की रिलीज से पहले काफी बज बना हुआ था. लेकिन रिलीज के बाद हालात कुछ और ही नजर आ रहे हैं. श्रंदीअप झंचववत की इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है और ये अच्छी कमाई भी नहीं कर पा रही है. इस साल श्रंदीअप झंचववत की ये दूसरे फिल्म रिलीज हुई है. इससे पहले राजकुमार राव के साथ आई उनकी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' आई थी. जिसका ओपनिंग डे कलेक्शन 'न्सरी' से काफी बेहतर था. फिल्म ने पहले दिन 6.75 करोड़ रुपये कमाए थे. लेकिन 'उलझ' दूसरे दिन भी इतनी कमाई नहीं कर पाई. हालांकि 'उलझ' के दूसरे दिन कलेक्शन में पहले दिन से हल्की–फुल्की बढ़ोतरी हुई है.फिल्म ने दूसरे दिन 1 करोड़ 70 लाख का ही कलेक्शन किया. पहले दिन इस फिल्म ने 1 करोड़ 15 लाख की कमाई की थी. पहले दिन के मुकाबले दूसरे दिन फिल्म ने 55 लाख रुपये ज्यादा कमाई की. लेकिन इसी के साथ रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म 'औरों में कहां दम था' ने दूसरे दिन भी इससे ज्यादा का कलेक्शन किया. 'उलझ' अक्षय कुमार की फ्लॉप फिल्म 'सरफिरा' से भी पीछे रही है. 'उलझ' ने दो दिन में 2 करोड़ 85 लाख का कलेक्शन किया है. अब देखना होगा कि वीकेंड के दूसरे दिन यानी रविवार को जान्हवी की 'उलझ' क्या कमाल करती है. उम्मीद की जा रही है कि रविवार की छुट्टी का फिल्म को फायदा मिल सकता है. हालांकि जो हालात दो दिन के अंदर देखने को मिले हैं, उसे देखकर मेकर्स और स्टार्स काफी निराश हैं. इस फिल्म को बनाने के लिए मेकर्स ने करीब 50 करोड़ के करीब पैसा लगाया है. अगर इसी रफ्तार के साथ आगे भी उलझ ऐसे ही कमाई करती रही तो इसके लिए बजट निकालना भी मुश्किल हो जाएगा.फिल्म के पास अभी 11 दिन का समय है. क्योंकि 15 अगस्त पर सिनेमाघरों में कई फिल्में दस्तक देंगी. ऐसे में फिल्म को इससे पहले ही कलेक्शन करना होगा. वरना इसके बाद फिल्म के लिए और मुश्किल हो जाएगी. जान्हवी कपूर ने अपने करियर की शुरुआत 8 साल पहले फिल्म 'धड़क' से की थी. इस फिल्म में उनके साथ ईशान खट्टर नजर आए थे. ये फिल्म उनकी हिट साबित हुई थी. अब इस फिल्म के सीक्वल को लेकर भी बात चल रही है. जान्हवी ने कम सालों में ही इंडस्ट्री में अपनी अच्छी पहचान कायम की है. वो अब तक कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं और उनके पास कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में भी हैं. यहां तक की जान्हवी कपूर जल्द ही साउथ फिल्म में भी नजर आने वाली हैं. वो जूनियर एनटीआर के साथ 'देवरा पार्ट 1' में दिखाई देंगी. ये फिल्म भी उनकी इसी साल 27 सितंबर को रिलीज होगी।

अपनी हार से ज्यादा सना की जीत से दुखी हैं रणवीर शौरी, बोले–वह इस ट्रॉफी के लायक नहीं है

हार जीत तो खेल का हिसा है क्योंकि अगर हम हारते तो हम और सीखने की कोशिश करते है। हालांकि कुछ लोग अपनी हार को स्वीकार नहीं कर पाते और जीतने वाले को कसूरवार बना देते हैं। एक्टर रणवीर शौरी भी कुछ ऐसा ही करते दिखाई दे रहे हैं। उन्हें अपनी हार का इतना दुख

नहीं है जितना उन्हें सना मकबूल की जीत का है। वह सना को बिग बॉस ओटीटी 3 के विनर के रूप में देखकर बिल्कुल भी खुश नहीं है। बिग बॉस ओटीटी 3 के घर में सना और रणवीर शौरी की लड़ाई चलती ही रही थी। कई बार दोनों एक दूसरे पर पर्सनल अटैक भी करते दिखाई दिए। हालांकि सना की बेबाकी ही शायद लोगों को पसंद आई जिसके चलते उनके सिर पर जीत का ताज सजा। हालांकि रणवीर का मानना है कि वह श्नॉन डिजर्विंग विनर है। सना ने भी देर ना लगाते हुए उन्हें तुरंत इसका जवाब दिया। रणवीर शौरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा–मेरे हिसाब से शो जीतने के लिए सना से कहीं ज्यादा डिजर्विंग लोग थे। बिग बॉस ओटीटी 3 विनर ने इसके जवाब में कहा–'मुझे लगता है कि हर हारा हुआ प्लेयर यहीं बोलता है कि वो डिजर्विंग नहीं है, तो मुझे लगता है कि उनकी नजर में अगर मैं डिजर्विंग नहीं हूं तो ये उनके लिए अच्छा है, मेरे पास ट्रॉफी है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि वह रणवीर से कोई मतलब नहीं रखना चाहती हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 विनर ने कहा– शो से पहले भी मैं रणवीर शौरी को नहीं जानती थी और ना ही शो खत्म होने के बाद जानना चाहती हूं। इसके बाद उन्होंने बिग बॉस के घर में अपनी जर्नी का जिक्र करते हुए कहा– बहुत लोगों ने सवाल उठाए, पत्थर मारे लेकिन मेरा विश्वास है कि मजबूत महिलाओं की कभी सराहना नहीं की जाती और मुझे लगता है कि बात उनकी होती है जिनमें कोई बात होती है। उनसे जब पूछा गया कि ये एक मिथ है और बिग बॉस के एक्साइटेड फैंस ये मानते हैं कि शो का विजेता हमेशा ऐसी ड्रेस पहनता है, जिसमें श्पंखश होते हैं। ये सुनने के बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा– नहीं मैंने ऐसा नहीं सुना।

विक्रांत मैसी को फिल्म के सेट पर आया गुस्सा, रघु राम के साथ लड़ाई का शॉकिंग वीडियो वायरल

टपातंदज डेंमल उन गिने–चुने सक्सेसफुल स्टार्स में से हैं, जिन्होंने टीवी से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय किया है। कभी टीवी पर साइड रोल करने वाले विक्रांत ने ओटीटी और फिर बॉलीवुड का रुख किया। पिछले दिनों टपातंदज डेंमल '12वीं फेल' में अपनी शानदार परफॉर्मेंस को लेकर सुर्खियों में थे। इस फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ हुई। लेकिन, इस बीच अभिनेता किसी और ही वजह से चर्चा में हैं। टपातंदज डेंमल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें 'रोडीज' होस्ट रह चुके रघु राम उनसे झगड़ा करते नजर आ रहे हैं। दोनों का यह वीडियो देखकर लोग हैरान हैं और ये जानना चाहते हैं कि आखिर दोनों के झगड़े की वजह क्या है।विक्रांत मैसी उन गिने–चुने सक्सेसफुल स्टार्स में से हैं, जिन्होंने टीवी से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय कियाविक्रांत मैसी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें 'रोडीज' होस्ट रह चुके रघु राम उनसे झगड़ा करते नजर आ रहे हैं वीडियो में विक्रांत मैसी एक सेट पर नजर आ रहे हैं और उनके साथ रघु राम भी दिखाई दे रहे हैं। लग रहा है मानो दोनों किसी शूट की तैयारी में हैं। वीडियो में विक्रांत मैसी कहते हैं– 'यार अर्जुन, ये ऐसी ही बकवास करता रहेगा तो मैं जा रहा हूं।' ये सुनकर रघु और भड़क जाते हैं और कहते हैं– 'हर बार तेरी नहीं चलेगी, चल निकल यहां से। मुझे जो बोलना है मैं बोलूंगा। चल घर जा।' जवाब में विक्रांत कहते हैं– 'तू समझता क्या है अपने आप को? आज मैं यहां हूं, तभी तू भी यहां है।' इसके बाद रघु राम गुस्से में आ जाते हैं और खाना जमीन पर फेंक कर गाली देते हुए चले जाते हैं। रघु का ऐसा रूप देखकर विक्रांत कहते हैं– 'ऐसा ही है ये, पागल।' विक्रांत और रघु की लड़ाई का ये वीडियो सेलिब्रिटी पैपराजी वरिंदर चावला ने भी शेयर किया है, जिसे देखने के बाद यूजर इस पर अलग–अलग रिएक्शन दे रहे हैं। किसी का कहना है कि ये पब्लिसिटी स्टंट है तो कोई इसे असली बता रहा है और रघु राम पर निशाना साधा रहा है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा– 'मैं विक्रांत को ये कहते इमेजिन कर रहा हूं– अबे ओ.. चंबल का हू समझा।' एक अन्य ने लिखा– 'गुड्डू भैया को बुलाओ?' वीडियो पर और भी ऐसे कमेंट्स हैं, जिनमें यूजर्स का कहना है कि वीडियो में एक्टिंग चल रही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो विक्रांत मैसी अब अपनी अपकमिंग फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' को लेकर चर्चा में हैं, जो 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म में तापसी पन्नू लीड रोल में हैं और साथ ही सनी कौशल भी इसका हिस्सा होंगे। इसके अलावा जिमी शेरगिल, आदित्य श्रीवास्तव जैसे कलाकार भी फिल्म में अहम रोल में दिखाई देंगे।

मिनटों में पाएं ग्लोइंग स्किन, बस शहद में मिलाएं यह एक चीज

खराब जीवनशैली और बढ़ते हुए पॉल्यूशन से त्वचा दिनों दिन बेजान हो जाती है और चेहरे की चमक कहीं खो जाती है। स्वस्थ त्वचा के लिए स्किन केयर करना काफी जरुरी है। शहद स्किन के लिए सबसे बेहतर होता है। इसके यूज करने से आप त्वचा को सॉफ्ट और ग्लोइंग बना सकते हैं। शहद चेहरे को ढेरों फायदे हो सकते हैं। आइए जानते हैं शहद का इस्तेमाल कैसे करें।

पोषण तत्वों का भंडार

गौरतलब है कि शहद में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें प्रोटीन, कार्ब्स, फाइबर, कॉपर, सोडियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आइए शहद से स्किन को होने वाले फायदों के बार में जानते हैं।

दूध में मिलाकर लगाएं

अगर आप शहद में दूध मिलाकर चेहरे पर लगा ले। इसमें लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन के दाग–धब्बों को साफ करता है। यह कॉम्बिनेशन स्किन के लिए नेचुरल क्लींजर का काम करता है। इससे आपकी स्किन एकदम खिली–खिली नजर आएगी।

केले मिलाकर लगाएं

चेहरे पर आप शहद और केला मिलाकर लगा सकते हैं। इसके चमत्कारिक रिजल्ट आपको देखने को मिलेगा। इससे पिंपल्स, झुर्रियां और डार्क स्पॉट्स को दूर करने में मदद मिलती है। इस पैक को चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत में सुधार होता है।

गुलाब जल के साथ लगाएं

आप शहद और गुलाब जल को मिलाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं। गुलाब जल त्वचा को ठंडक पहुंचाता है। इससे डेड स्किन सेल्स को साफ किया जा सकता है। इसको लगाने से त्वचा से एक्ने, दाग–धब्बे और डार्क स्पॉट्स से छुटकारा मिल सकता है।

दही में मिलाकर लगाएं

शहद को दही के साथ मिक्स करके भी लगा सकते हैं। इससे स्किन के पिंपल्स, झुर्रियों और टैनिंग से छुटकारा मिलेगा। यह मिश्रण चेहरे की ड्राईनेस दूर करता है।

36 कमर होगी 26 की, बस इस जादुई ड्रिंक का सेवन करें, कैसे बनाएं

बढ़ते हुए वजन से सभी लोग परेशान है। एक बार वजन बढ़ जाए इसे कम करना काफी मुश्किल होता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी जादुई ड्रिंक की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिसके सेवन से 1 हफ्ते में फर्क दिखेगा। आइए जानते हैं इसे कैसे बनाएं।

एक बार मोटापा बढ़ जाए तो इसे कम करना बेहद मुश्किल होता है। मोटापे की वजह से कई खतरनाक बीमारियां होने लगती है। आजकल की खराब जीवनशैली के चलते लोगों में बढ़ता हुआ वजन आम हो चुका है। अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं तो इस मेजिकल ड्रिंक का सेवन करने से आपको 1 हफ्ते में फर्क दिखाई देगा। इस ड्रिंक की रेसिपी फेमस न्यूट्रिशन अनीषा ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री

– 10–15 पुदीना के पत्ते

– 4 इलायची

– 1 चम्मच सौंफ

वेट लॉस ड्रिंक बनाने का तरीका

– सबसे पहले एक बड़ा बर्तन लें। इसके बाद उसमें 2 कप पानी डालें।

– उस पानी को उबालने के लिए रख दें।

– इसमें आप 10–15 पुदीना के पत्ते डालें। इसके बाद 4 हरी इलायची डाल दें।

– अब इस पानी में 1 चम्मच भर के सौंफ डाल दें। फिर इस मिश्रण को 10–15 मिनट तक उबालें। जब यह ड्रिंक थोड़ी ठंडी हो जाएं इसे छानकर पी लें।

– सबसे बेस्ट तरीका है इसे आप खाली पेट पी सकते हैं। इस ड्रिंक को 1 महीन तक पीने के बाद आपको जबरदस्त फायदा दिखेगा। इसके साथ ही आपको एक्सरसाइज भी जरुर करनी चाहिए।

मनु भाकर खुद को फिट रखने के लिए इन चीजों से करती हैं दिन की शुरुआत

पेरिस ओलंपिक 2024 में एयर पिस्टल शूटर मनु भाकर ने शानदार प्रदर्शन किया है। मनु ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल सिंगल और मिक्स डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर न केवल भारत का नाम ऊंचा किया है, बल्कि ओलंपिक इतिहास में दो पदक जीतने वाली एकमात्र शूटर बन गई हैं। 2020 टोक्यो ओलंपिक में फाइनल की रेस से बाहर होने के बाद, मनु ने पेरिस ओलंपिक में सफलता का परचम लहराया है। आइए जानते है कि मनु भाकर कैसे अपनी फिटनेस बनाए रखती हैं और उनकी डाइट कैसी होती है।

स्वस्थ जीवनशैली और डाइट

मनु भाकर अपने दिन की शुरुआत हेल्दी आहार के साथ करती हैं और अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित योग और प्राणायाम का अभ्यास करती हैं।

पसंदीदा भोजन

मेडल जीतने के बाद, जब मनु से उनके पसंदीदा भोजन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि उन्हें मां द्वारा बनाए गए आलू के पराठे बहुत पसंद हैं। इससे पता चलता है कि मनु भाकर को देसी और साधारण खाना पसंद है। वे पूरी तरह से शाकाहारी हैं और अंडा भी नहीं खातीं। उनकी डाइट में दाल, रोटी, सब्जी और पनीर शामिल रहता है, जिसमें प्रोटीन के लिए रोजाना पनीर खाना शामिल है।

योगाभ्यास और फिटनेस

शूटिंग में ध्यान और एकाग्रता बनाए रखने के लिए मनु भाकर रोजाना योग और प्राणायाम करती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर योग के विभिन्न पोज की तस्वीरें साझा की हैं और बताया है कि चाहे वे कितनी भी व्यस्त हों, योग का अभ्यास उनके दिनचर्या का हिस्सा रहता है।

विटामिन डी का सेवन

विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए मनु भाकर सप्लीमेंट्स की जगह प्राकृतिक धूप लेना पसंद करती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें धूप सेंकते हुए दिखाई देती हैं, जो उनके विटामिन डी के सेवन की आदत को दर्शाती हैं।

दिन की शुरुआत

मनु भाकर अपने दिन की शुरुआत भीगे हुए बादाम और अखरोट के साथ करती हैं, जो उनके दिमाग और आंखों को तेज बनाए रखने में मदद करते हैं।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

22 वर्षीय मनु भाकर दिन में 4–5 घंटे शूटिंग की प्रैक्टिस करती हैं और फिटनेस बनाए रखने के लिए सप्ताह में 5 दिन जिम जाती हैं। जिम में वे स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो और वेट ट्रेनिंग जैसी पावर एक्सरसाइज करती हैं।

इस प्रकार, मनु भाकर की मेहनत, सही डाइट और फिटनेस रेजीम उन्हें एथलीटों की दुनिया में ऊंचे मुकाम तक पहुंचा रहे हैं।

मुंह की बदबू कर रही हो शर्मिंदा तो जानिए इसका कारण और इलाज भी

मुंह की बदबू, जिसे चिकित्सकीय रूप से हैलिटोसिस कहा जाता है, एक आम समस्या है जो कई कारणों से हो सकती है। मुंह की बदबू एक सामान्य समस्या है, लेकिन इसे सही देखभाल और उपचार से नियंत्रित किया जा सकता है। नियमित मौखिक स्वच्छता बनाए रखना, सही खाद्य पदार्थों का सेवन, और स्वास्थ्य समस्याओं का समय पर इलाज कराना इससे बचने के लिए महत्वपूर्ण है।

मुंह की बदबू के कारण

खराब मौखिक स्वच्छता

–दांतों और जीभ की सही से सफाई न करने से बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो बदबू का कारण बनते हैं।

खाद्य पदार्थ

– प्याज, लहसुन, और मसालेदार भोजन खाने से मुंह में बदबू आ सकती है।

ड्राई माउथ (शुष्क मुंह)

– लार की कमी से मुंह में बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो बदबू पैदा करते हैं। शुष्क मुंह दवाओं, धूम्रपान, या किसी चिकित्सा स्थिति के कारण हो सकता है।

तंबाकू और धूम्रपान

– तंबाकू उत्पादों और धूम्रपान से मुंह में बदबू आ सकती है और मौखिक स्वच्छता खराब हो सकती है।

स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं

– साइनस संक्रमण, गले में संक्रमण, फेफड़ों में संक्रमण, गुर्दे की समस्या, या मधुमेह जैसी स्थितियां बदबू का कारण बन सकती हैं।

डेंटल समस्याएं

– दांतों में सड़न, मसूड़ों की बीमारी, या फंसे हुए खाद्य कण बदबू पैदा कर सकते हैं।

ह की बदबू का इलाज

– दिन में कम से कम दो बार अपने दांतों को ब्रश करें और एक बार फ्लॉस करें।

– जीभ की सफाई करें। नियमित रूप से डेंटिस्ट के पास चेकअप के लिए जाएं।

– पानी अधिक पिएं। शुगर–फ्री गम चबाएं।

– शराब और कैफीन का सेवन सीमित करें।

– प्याज, लहसुन, और मसालेदार भोजन का सेवन सीमित करें।

– तंबाकू उत्पादों का उपयोग बंद करें और धूम्रपान छोड़ें।

– एंटीबैक्टीरियल माउथवॉश का उपयोग करें जो बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है।

– अगर आपकी बदबू का कारण किसी स्वास्थ्य समस्या से जुड़ा है, तो डॉक्टर से सलाह लें और उचित इलाज कराएं।

सावन में हरे रंग की साड़ी या सूट के साथ कैरी करें ये झुमकी डिजाइंस, मिलेगा क्लासी लुक

हर महिला को सजना–संवरना काफी ज्यादा पसंद होता है। खासकर तीज–त्योहार के मौके पर महिलाएं श्रृंगार करने में कोई कमी नहीं छोड़ती हैं। अभी सावन का महीना चल रहा है। ऐसे में अधिकतर महिलाएं और लड़कियां हरे रंग की साड़ी और सूट पहनना पसंद करती हैं। वहीं सूट और साड़ी के साथ एक्सेसरीज कैरी करना बेहद जरुरी होता है। जिससे कि अपने लुक को परफेक्ट बनाया जा सके। इस तरह की सूट या साड़ी के साथ आप कंट्रास्ट या मैचिंग के इयररिंग्स पहन सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको झुमकी के लेटेस्ट डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप हरे सूट या साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं।

कुंदन झुमकी डिजाइन

रॉयल और क्लासी लुक पाने के लिए आप हरे रंग की साड़ी या सूट के साथ कुंदन झुमकी डिजाइन ट्राई कर सकती हैं। यह साड़ी और सूट दोनों के साथ ही काफी अच्छी लगेंगी। वहीं कुंदन झुमकी लाल साड़ी के साथ भी परफेक्ट लगती हैं। मार्केट में आपको कुंदन झुमकी के कई डिजाइंस आसानी से मिल जाएंगे। हालांकि कुंदन वर्क वाले इयररिंग्स थोड़ी कॉस्टली हो सकते हैं, लेकिन यह आपको एलीगेंट लुक देने का काम करेंगी। इसके साथ गले में पहनना अवॉइड करें।

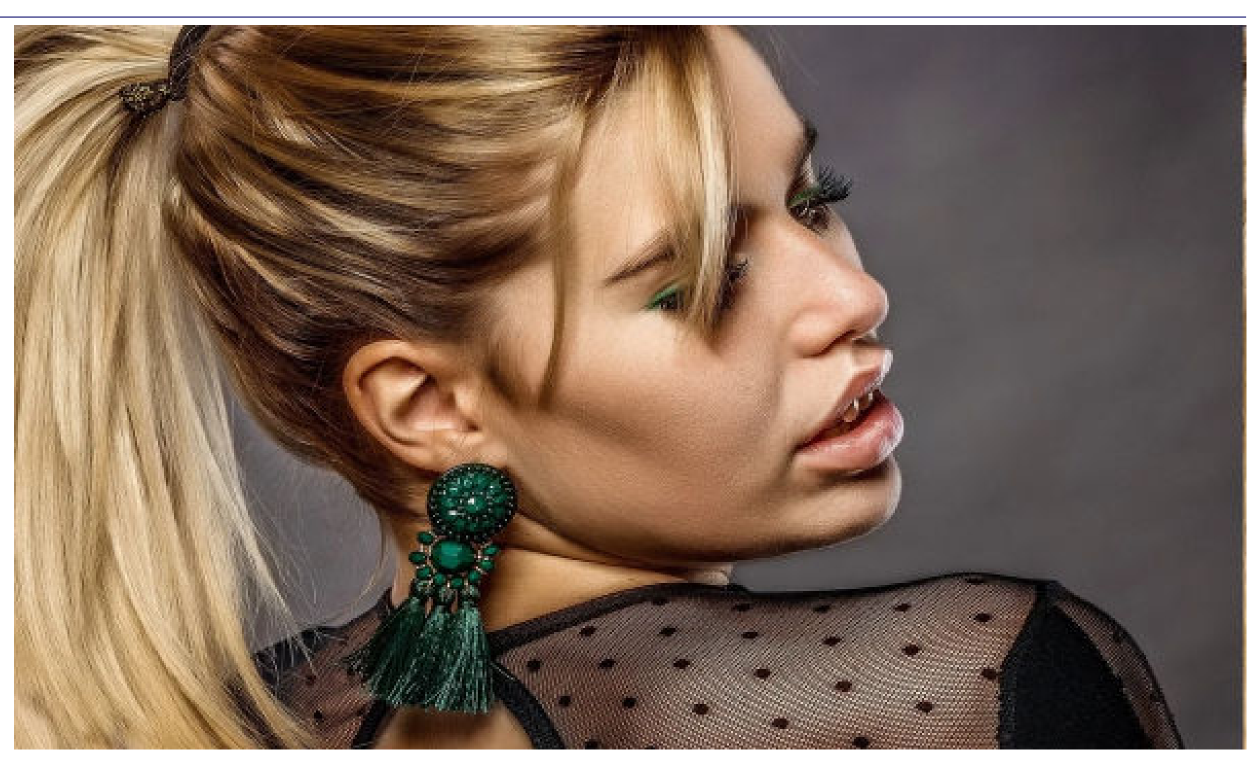

मीनाकारी झुमकी इयररिंग डिजाइन

आपको बता दें कि इस तरह के इयररिंग्स देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगते हैं। आमतौर पर इसमें प्रकृति से जुड़े डिजाइंस होते हैं। ये डिजाइन पत्ती की शेप में है। अगर आप सूट या साड़ी के साथ लाइट वेट वाली झुमकी कैरी करना चाहती हैं, तो आपको मीनाकारी झुमकी जरूर ट्राई करना चाहिए। मार्केट में आपको इस डिजाइन के इयररिंग्स 100–200 रुपए तक में आराम से मिल जाएंगे। इसके साथ आप विंग्ड आईलाइनर, मेसी बन और मिनिमल मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा करें।

चांदबाली झुमकी डिजाइन

हरी साड़ी या सूट के साथ आप चांदबाली झुमकी स्टाइल कर सकती हैं। वैसे तो यह हर फेस टाइप पर अच्छे लगते हैं। लेकिन गोल चेहरे पर चांदबाली इयररिंग्स लाजवाब लगेंगे। ऐसे में अगर आप सिंपल झुमकी के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं, तो आप चांदबाली इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में इससे मिलते–जुलते इयररिंग्स 100–200 रुपए तक में मिल जाएंगे।

भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर फूटा रोहित का गुस्सा, इन बल्लेबाजों को ठहराया हार का जिम्मेदार

श्रीलंका ने यह मुकाबला 32 रन से जीत लिया और सीरीज में 0–1 से बढ़त हासिल कर ली। इससे पहले दो अगस्त को खेला गया पहला मुकाबला टाई हो गया था। अब भारत की नजर सीरीज ड्रा कर करने पर होगी।

कोलंबो। कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे वनडे में भारत की हार पर निराशा जताई। रविवार को खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने भारत को 32 रनों से हराया। मेजबानों ने इस जीत के साथ सीरीज में 0–1 से बढ़त हासिल कर ली। अब भारत की नजर तीसरे वनडे पर होगी। इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 50 ओवर में नौ विकेट पर 240 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 42.2 ओवर में सिर्फ 208 रन बना सकी और ऑलआउट हो गई। श्रीलंका ने यह मुकाबला 32 रन से जीत लिया और सीरीज में 0–1 से बढ़त हासिल कर ली। इससे पहले दो अगस्त को खेला गया पहला मुकाबला टाई हो गया था। अब भारत की नजर सीरीज ड्रा कर करने पर होगी। तीसरा मुकाबला सात अगस्त को खेला जाएगा जिसमें टीम इंडिया हर हाल में जीत दर्ज करना चाहेगी।

रोहित ने ठहराया इन बल्लेबाजों को जिम्मेदारी

दूसरे वनडे में हार के बाद रोहित शर्मा ने बताया कि बीच के ओवरों में बल्लेबाजों के खेलने के तरीके पर चर्चा होगी। रोहित ने कहा, ''जब आप कोई मैच हारते हैं तो दुख होता है। यह सिर्फ उन 10 ओवरों के बारे में नहीं है जिसमें भारत ने 50 रन पर छह विकेट खो दिए थे। आपको लगातार क्रिकेट खेलना होता है और हम ऐसा करने में विफल रहे। थोड़ा निराश हूं, लेकिन ऐसी चीजें होती रहती हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम अच्छा नहीं खेले। हम जिस तरह से खेले, उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहता। लेकिन बीच के ओवरों में हमारी बल्लेबाजी के बारे में चर्चा होगी।''

असलंका ने की वेंदरसे की तारीफ

वहीं, श्रीलंकाई कप्तान चरिथ असलंका ने कहा कि परिस्थितियों के हिसाब से 240 रन का स्कोर काफी था। उन्होंने कहा, ''मैं स्कोर से खुश था। 240 काफी अच्छा स्कोर था। एक कप्तान के तौर पर मुझे इस तरह की समस्याएं (स्पिन के कई विकल्प) पसंद हैं। वेंदरसे का स्पैल शानदार था।''

संक्षिप्त

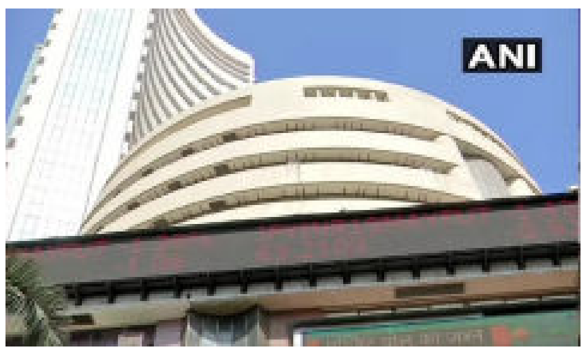

स्टॉक मार्केट हुआ क्रैश, अमेरिका में आई मंदी के कारण भारत में हुआ असर, सेंसेक्स निफ्टी हुए धड़ाम

बीते सप्ताह के अंतिम दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली थी। बीते सप्ताह का असर सोमवार को भी शेयर बाजार में देखने को मिला है। अधिकतर बड़ी कंपनियों के शेयर गिरने के बाद सोमवार को भी हालत अच्छे नहीं है। अमेरिकी शेयर बाजार का असर भारतीय बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। प्री ओपनिंग के दौरान ही सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट देखने को मिली है। जैसी ही शेयर बाजार खुला वैसे ही सेंसेक्स और निफ्टी भर भराकर गिर गए। बीएसई सेंसेक्स 80 हजार से नीचे खुला है। जानकारी के मुताबिक बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स प्री ओपनिंग के दौरान यानी शुरुआती कारोबार में 2,401.49 अंक गिरकर 78,580.46 अंक पर आ गया। ऐसा ही हाल एनएसई निफ्टी का भी रहा है। एनएसई निफ्टी 489.65 अंक फिसलकर 24,228.05 अंक रहा। बता दें कि सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी पोर्ट्स, मारुति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों पर भी इसका नकारात्मक असर देखने को मिला है। कंपनियों के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई। वहीं सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर फायदे में रहे। एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की तथा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट फायेद में रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77.08 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुक्रवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 3,310.00 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे थे।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में जुलाई में मामूली गिरावट, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली। भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जून की तुलना में जुलाई में थोड़ी धीमी रही। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 रही जबकि जून में यह 60.5 थी। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा,

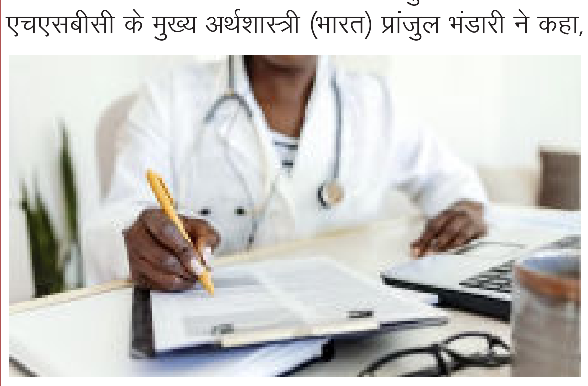

'' जुलाई में सेवा क्षेत्र की गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, नए कारोबार में और वृद्धि हुई जो मुख्य रूप से घरेलू मांग से प्रेरित रही। सेवा कंपनियां आने वाले वर्ष के लिए आशावादी हैं।'' सितंबर 2014 में इस सर्वेक्षण की शुरुआत के बाद से नए निर्यात ठेकों में तीसरी सबसे तेज वृद्धि हुई है, जिसका कारण दुनिया भर से भारतीय सेवाओं की मांग में वृद्धि है। निर्यात ठेकों की प्रमुख मांग ऑस्ट्रिया, ब्राजील, चीन, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड और अमेरिका से रही। सर्वेक्षण में कहा गया, अनुकूल आर्थिक स्थिति और उत्पादन के प्रति आशावादी उम्मीदों ने सेवा कंपनियों में भर्ती को बढ़ावा दिया। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई में 60.7 रहा, जो जून में 60.9 था। एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

'आयात की जगह भारत में चीनी कंपनियों से कराया जाए निवेश', नीति आयोग के सदस्य विरमानी ने दिया सुझाव

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी का कहना है कि चीन से सामान को आयात करने की जगह अगर भारत यहां चीनी कंपनियों का निवेश कराए तो कई लाभ होंगे। इससे व्यापार बढ़ने के साथ ही स्थानीय स्तर पर निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही निर्यात बाजार का लाभ भी मिलेगा। बजट पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण के दौरान चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के सवाल पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी। विरमानी ने कहा कि भारत–चीन का व्यापार बंद है, लेकिन काफी कुछ आयात हो रहा है। अगर हम आने वाले 10–15 वर्षों तक कुछ सामान आयात कराने जा रहे हैं, तो इससे अच्छा है कि हम चीनी कंपनियों का यहां निवेश कराएं और सामान यहीं बनवाएं। उन्होंने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार अमेरिका और यूरोप अब चीन से आयात कम कर रहे हैं। ऐसे में भारत का चीन से सामान को आयात करने की बजाय चीनी कंपनियों को यहां निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे चीन द्वारा भारत में बनने वाले उत्पादों को अमेरिका और यूरोप में निर्यात करके हम काफी मजबूत बन सकते हैं। अर्थशास्त्री विरमानी ने कहा कि हमें पहले हर समय में अच्छा देखना होगा और अच्छे समय में हर श्रेणी को देखना होगा। इसके बाद व्यापार बंद का मूल्यांकन करना होगा। उन्होंने कहा कि चीन प्लस वन रणनीति का लाभ उठाने के लिए भारत के सामने दो विकल्प हैं। एक कि भारत चीन की आपूर्ति शृंखला में शामिल हो जाए। दूसरा चीन से एफडीआई को बढ़ावा दे। इसलिए भारत को चीन से आयात जारी रखने के बाद एक समझौता करना होगा। उन्होंने कहा कि चीन से एफडीआई पर ध्यान केंद्रित करना अमेरिका में भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अधिक जरूरी है। क्योंकि भारत चीन से सबसे ज्यादा सामान का आयात करता है और इन दिनों चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है।

रोहित शर्मा के नाम खास उपलब्धि, द्रविड़ को इस मामले में छोड़ा पीछे

अब हिटमैन से आगे केवल तीन बल्लेबाज

कोलंबो। श्रीलंका के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा। मेजबानों ने भारत को 32 रनों से हराया। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने दमदार प्रदर्शन किया और पूर्व दिग्गज खिलाड़ी राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ दिया। रविवार को खेले गए दूसरे मुकाबले में भारतीय कप्तान ने रनों के मामले में टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच और खिलाड़ी राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ दिया। हिटमैन ने इस मैच की शुरुआत से पहले अपने करियर में 263 वनडे मैचों में 10,767 रन बनाए थे, लेकिन दो रन बनाते ही वह पूर्व बल्लेबाज से आगे निकल गए। वह इस लिस्ट में अब चौथे स्थान पर आ गए हैं। द्रविड़ के नाम 340 वनडे मैचों में 10,768 रन दर्ज हैं। वहीं, रोहित के नाम 264 मुकाबलों में 10,831 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में शीर्ष पर सचिन तेंदुलकर हैं जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः विराट कोहली और सौरव गांगुली हैं।

भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

खिलाड़ी	मैच	रन	स्ट्राइक रेट	100	50
सचिन तेंदुलकर	463	18426	86.23	49	96
विराट कोहली	294	13886	93.52	50	72
सौरव गांगुली	308	11221	73.65	22	71
रोहित शर्मा	264	10831	92.29	31	57
राहुल द्रविड़	340	10768	71.18	12	82

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का निधन, सचिन-सहवाग जैसे दिग्गजों को देते थे कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। पूर्व इंग्लैंड क्रिकेटर और कोच ग्राहम थॉर्प का 55 साल की उम्र में निधन हो गया है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि की। थॉर्प ने साल 1993 से 2005 तक इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान 82 वनडे में भी हिस्सा लिया। दरअसल, इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार ग्राहम थोर्प (ळतींउ जीवतचम) अब इस दुनिया में नहीं रहे। इंग्लैंड के लिए उन्होंने काफी लंबे समय तक मैच खेला और इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बाद वह इंग्लैंड टीम के कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा रहे। 2022 में उन्हें अफगानिस्तान का हेड कोच नियुक्त किया गया था, लेकिन कुछ दिन बाद वह ये पता चला कि वह गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। थोर्प की बीमारी को लेकर कोई खुलासा नहीं हुआ और काफी समय से बीमारी से जूझने के बाद उनका 55 साल की उम्र में निधन हो गया। ईसीबी ने एक्स पर लिखा कि यह बहुत ही दुख के साथ हम यह जानकारी दे रहे हैं कि ग्राहम थॉर्प का निधन हो गया है। ग्राहम की मृत्यु की खबर ने हमें गहरे सदमे में डाल दिया है और इसे शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है।

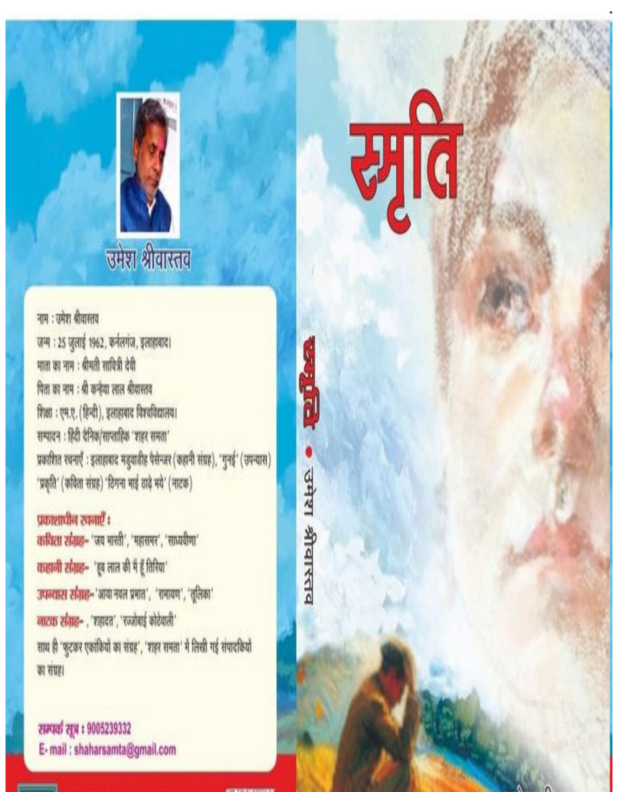

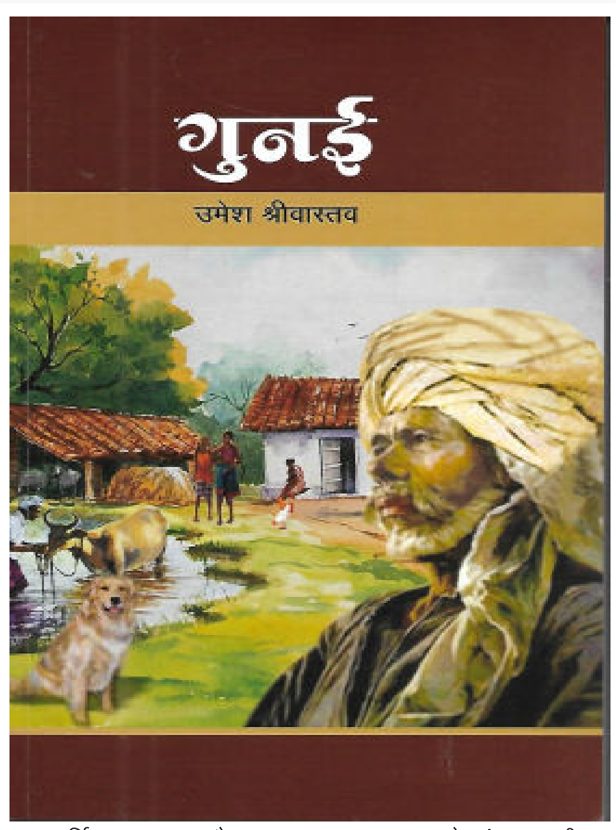

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

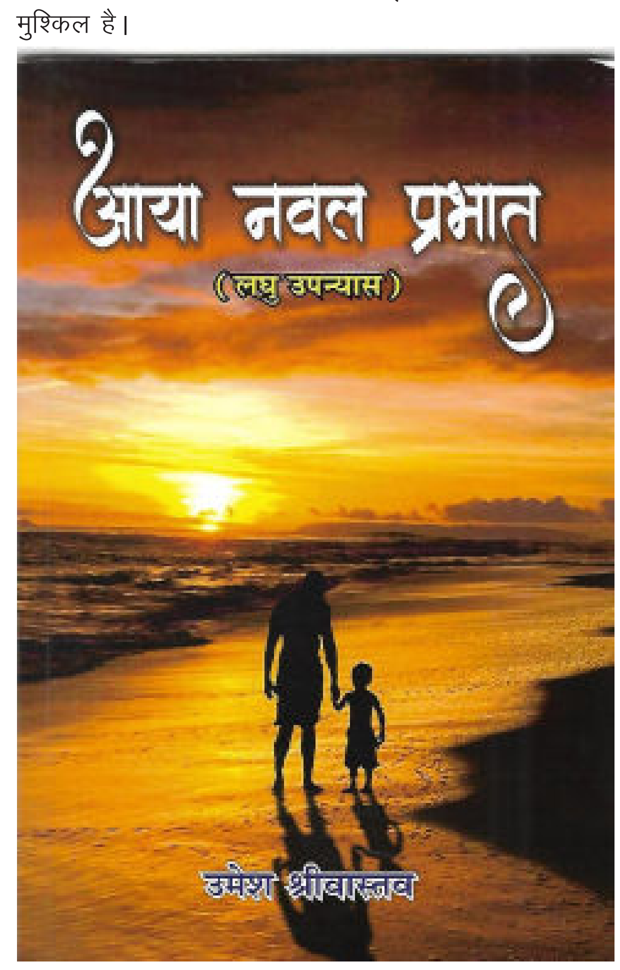

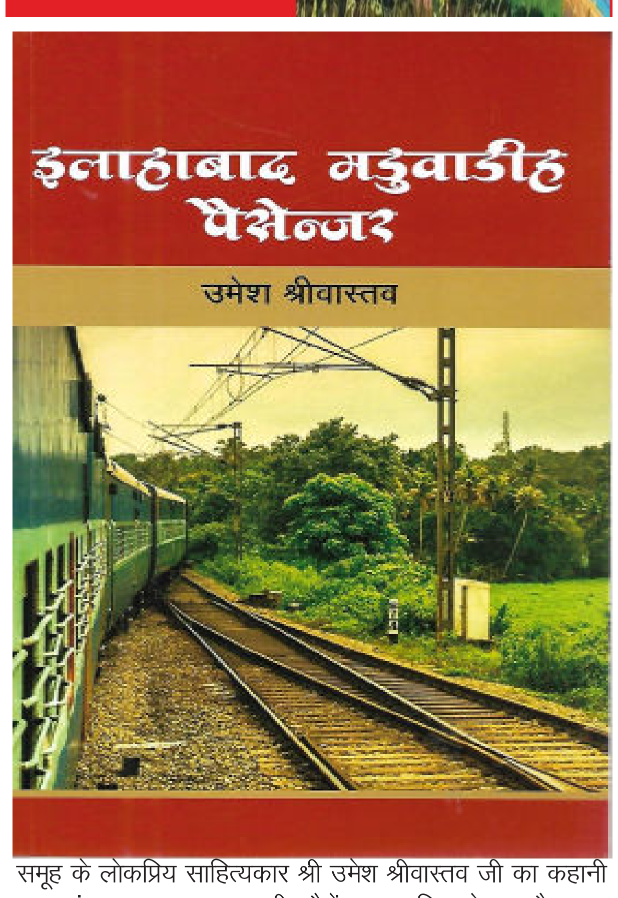

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

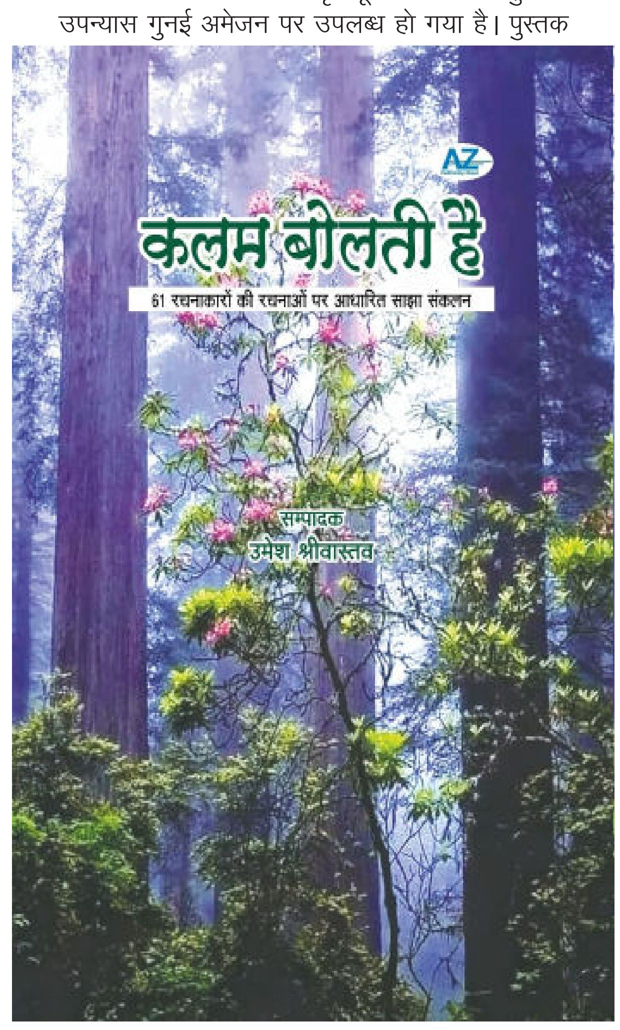

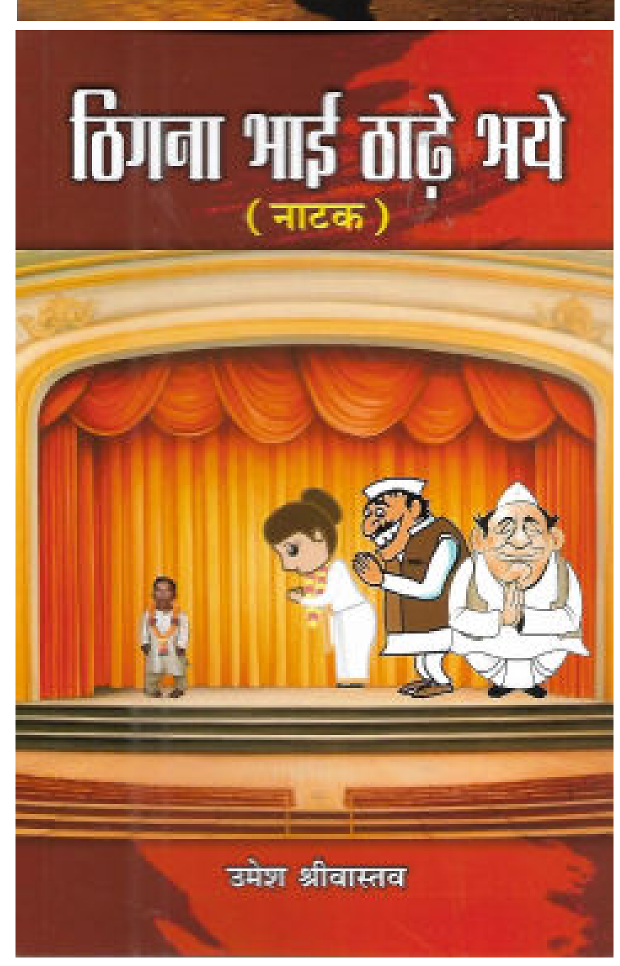

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बांग्लादेश हिंसा के बीच शेख हसीना ने ढाका छोड़ा, प्रधानमंत्री आवास में घुसे प्रदर्शनकारी

बांग्लादेश हिंसा की आग में झुलस रहा है। बांग्लादेश में कोटा सुधारों के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन में हिंसक झड़पों के कारण 100 से अधिक लोग मारे गए। देश की राजधानी ढाका सहित अन्य हिस्सों में सेना तैनात कर दी गई है। इसके साथ ही सूत्रों से खबर आ रही है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ढाका छोड़

दिया है। इसके साथ ही उनके सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से भारत आने की भी खबर है। प्रदर्शनकारियों ने आज दोपहर करीब तीन बजे गोनो भवन के दरवाजे खोल दिए और प्रधानमंत्री आवास के परिसर में प्रवेश कर गए। जिसके बाद खबर आई कि प्रधान मंत्री शेख हसीना ने गोनो भवन को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। हजारों बांग्लादेशी प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को ढाका में प्रधान मंत्री शेख हसीना के महल पर धावा बोल दिया, जब एक सूत्र ने एएफपी को बताया कि वह अपने पद छोड़ने की मांग को लेकर हो रहे सामूहिक प्रदर्शनों से भाग गई थीं। बांग्लादेश के चौनल 24 ने राजधानी में प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास में भीड़ की तस्वीरें प्रसारित कीं, जो जश्न मनाते हुए कैमरे की ओर हाथ हिला रही थीं। पीएम शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा ा आपका कर्तव्य हमारे लोगों को सुरक्षित रखना और हमारे देश को सुरक्षित रखना और संविधान को बनाए रखना है। इसका मतलब है कि किसी भी अनिर्वाचित सरकार को एक मिनट के लिए भी सत्ता में न आने दें, यह आपका कर्तव्य है।

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने आतंकवाद के खतरे की चेतावनी का स्तर बढाया

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने सोमवार को देश में आतंकवाद के खतरे की चेतावनी के स्तर को ''संभवतरू'' से बढ़ाकर ''संभावित'' कर दिया। इसके लिए सरकार ने युवाओं में बढ़ती कट्टरता और इजराइल–हमास संघर्ष के कारण सामुदायिक तनाव के बारे में चिंताओं का हवाला दिया है। ऐसा पहली बार है जब नवंबर 2022 के बाद से खतरे के स्तर को पांच–स्तरीय 'नेशनल टेररिजम थ्रेट एडवाइजरी सिस्टम' के मध्य तक बढ़ा दिया गया है।

प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज ने कहा कि हालांकि अधिकारियों का मानना घ्है कि मौजूदा हालात में आतंकवाद एक बड़ा खतरा बन गया है, लेकिन उन्हें किसी विशेष खतरे के बारे में जानकारी नहीं है। अल्बानीज ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं आस्ट्रेलिया के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ''संभावित'' का मतलब यह नहीं है कुछ होने वाला है और इसका अर्थ यह भी नहीं है कि किसी धमकी या खतरे के बारे में खुफिया जानकारी मिली है।'' उन्होंने कहा कि सरकार देश की जासूसी एजेंसी 'ऑस्ट्रेलियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस ऑर्गेनाइजेशन' की सलाह पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमें जानकारी मिल रही है कि आस्ट्रेलिया के लोग विभिन्न प्रकार की चरमपंथी विचारधाराओं को अपना रहे हैं और सतर्क रहना हमारी जिम्मेदारी है।

उत्तर कोरिया ने सैन्य इकाइयों को परमाणु संपन्न 250 मिसाइल लॉन्चर सौंपे

उत्तर कोरिया ने एक समारोह में अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य इकाइयों को परमाणु सक्षम 250 मिसाइल लॉन्चर सौंपे। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अमेरिका के संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना के परमाणु कार्यक्रम के निरंतर विस्तार का आह्वान किया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि देश की युद्ध सामग्री संबंधी फैक्टरियों में इन मिसाइल लॉन्चर को ''सामरिक'' रूप से महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है।

बांग्लादेश में हिंसा की झड़पों में 100 लोगों की मौत, MEA ने भारतीयों से सावधानी बरतने को कहा गया, अनिश्चितकालीन कर्फ्यू

बांग्लादेश में हिंसा की नई लहर के कारण 14 पुलिस अधिकारियों सहित कम से कम 100 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्रों में सत्तारूढ़ पार्टी के समर्थकों के बीच रविवार सुबह झड़पें हुईं। टकराव की तीव्रता ने अधिकारियों को मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को काटने और अनिश्चित काल के लिए राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू लगाने सहित कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर किया है। केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक बांग्लादेश की यात्रा न करने की ष्दृढ़ता से सलाहष दी है और बांग्लादेश में भारतीय अधिकारियों ने नागरिकों से अस्थिर स्थिति को देखते हुए ''सतर्क रहने'' को कहा है। विरोध प्रदर्शन के दौरान, पुलिस और छात्रों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें सुरक्षा बलों ने हिंसक भीड़ को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले और स्टन ग्रेनेड दागे। बांग्लादेश में ताजा हिंसा के मद्देनजर, विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों को एक सलाह जारी की, जिसमें उन्हें ष्अत्यधिक सावधानीष बरतने और अपनी गतिविधियों को सीमित करने के लिए कहा गया। इसने अपने नागरिकों से अगले आदेश तक बांग्लादेश की यात्रा न करने को भी कहा है। बांग्लादेश पुलिस के अनुसार, झड़पों के दौरान देश भर में कुल 14 पुलिसकर्मी मारे गए हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि उनमें से 13 सिराजगंज के इनायतपुर पुलिस स्टेशन में मारे गए, और एक कोमिला के इलियटगंज में मारा गया। इस बीच, 300 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए

हैं। बढ़ती हिंसा के बीच, बांग्लादेश रेलवे ने सभी सेवाओं को अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि देश में कपड़ा कारखानों को भी अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि बांग्लादेश के प्रदर्शनकारियों ने आम जनता से आज ''ढाका तक लांग मार्च'' में शामिल होने को कहा है। स्थानीय मीडिया आउटलेट ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, बांग्लादेश प्रशासन ने आज से तीन दिवसीय सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। रविवार को हुए विरोध प्रदर्शनों में अज्ञात लोगों और दक्षिणपंथी इस्लामी शासनतंत्र आंदोलन के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया, जिन्होंने कई प्रमुख राजमार्गों और राजधानी शहर के भीतर बैरिकेड्स लगाए, पीटीआई ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया। प्रदर्शनकारियों को ष्आतंकवादीष कहते हुए, प्रधान मंत्री शेख हसीना ने लोगों से विरोध के नाम पर देश भर में ''तोड़फोड़'' करने वालों को दबाने के लिए कहा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने झड़पों की आलोचना की और कहा कि बांग्लादेश में ष्चौंकाने वाली हिंसाष को समाप्त किया जाना चाहिए।

भारत ने अपने नागरिकों को बांग्लादेश की यात्रा न करने की सलाह दी

बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच भारत ने अपने नागरिकों को अगले आदेश तक बांग्लादेश की यात्रा न करने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने भी बांग्लादेश में रह रहे अपने नागरिकों को अत्यधिक सतर्क रहने और अपनी गतिविधियों को सीमित रखने की सख्त चेतावनी दी है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, ''चल रहे घटनाक्रमों को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को अगले आदेश तक बांग्लादेश की यात्रा न करने की सख्त सलाह दी जाती है।'' केंद्र सरकार ने कहा, ''बांग्लादेश में वर्तमान में सभी भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने, अपनी गतिविधियों को सीमित करने और ढाका में भारतीय उच्चायोग के साथ उनके आपातकालीन फोन नंबरोंरू +8801958383679, +8801958383680 और +8801937400591 के माध्यम से संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है।''

बांग्लादेश हिंसा : अगर भाई के घर में आग लगी है...नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस ने भारत से क्या अपील कर दी ?

बांग्लादेशी अर्थशास्त्री और नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश में चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर भारत की प्रतिक्रिया पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने चेतावनी दी कि अशांति पड़ोसी देशों तक फैल सकती है। यूनुस ने द इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा कि जब भारत कहता है कि यह आंतरिक मामला है, तो मुझे दुख होता है। अगर भाई के घर में आग लगी है, तो मैं कैसे कह सकता हूं कि यह आंतरिक मामला है? कूटनीति में यह कहने की तुलना में कहीं अधिक समृद्ध शब्दावली है कि यह उनका आंतरिक मामला है। पिछले महीने, भारत ने बांग्लादेश में सरकारी नौकरी कोटा के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने नियमित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि हम इसे बांग्लादेश के आंतरिक मामले के रूप में देखते हैं।

बांग्लादेश छात्रों के विरोध का असर पड़ोसी देशों पर पड़ेगा

मुहम्मद यूनुस ने कहा कि अगर बांग्लादेश में अशांति हो रही है, जहां 17 करोड़ लोग संघर्ष में हैं, सरकारी बलों द्वारा युवाओं को मार दिया जा रहा है और कानून व्यवस्था बिगड़ रही है, तो यह स्पष्ट है कि स्थिति बांग्लादेश की सीमाओं के भीतर सीमित नहीं रहेगी और पड़ोसी देशों को भी प्रभावित करेगी। यूनुस को उनके माइक्रोफाइनेंस कार्य और लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए जाना जाता है। हालाँकि, उन्हें प्रधान मंत्री शेख हसीना के विरोध का सामना करना पड़ा है। उन्हें हाल ही में भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराया गया था, जिसके बारे में उनके समर्थकों का कहना है कि यह राजनीति से प्रेरित है।

बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन

समाचारपत्र श्डेली स्टारश के अनुसार, रविवार को बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बीएसएमएमयू) में अज्ञात लोगों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। खबर के अनुसार, लाठी–डंडे लिए लोगों को अस्पताल परिसर में निजी कार, ऐम्बुलेंस, बाइक और बसों में तोड़फोड़ करते देखा गया, जिससे मरीजों, तीमारदारों, डॉक्टरों और अन्य कर्मियों में भय पैदा हो गया। प्रदर्शनकारियों ने हसीना के वार्ता के निमंत्रण को खारिज कर दिया और सरकार के इस्तीफे की मांग की है।

अगरतला में लैंड हुआ शेख हसीना का हेलीकॉप्टर? बहन के साथ पहुंची भारत

पांच दशक से भी अधिक समय पहले दक्षिण एशियाई राष्ट्र के जन्म के बाद से कुछ सबसे खराब हिंसा में अधिक लोग मारे गए थे। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और देश छोड़ दिया। पीएम पद से इस्तीफा देने के बाद शेख हसीना भारत का रुख कर रही हैं। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के अनुसार, उनके हेलीकॉप्टर के अगरतला में उतरने की संभावना है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि हिंसक विरोध प्रदर्शन के कारण सुरक्षा चिंताओं के बीच पीएम शेख हसीना देश छोड़कर भाग गई हैं। हजारों बांग्लादेशी प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को

ढाका में प्रधान मंत्री शेख हसीना के महल पर धावा बोल दिया, जब एक सूत्र ने एएफपी को बताया कि वह अपने पद छोड़ने की मांग को लेकर हो रहे सामूहिक प्रदर्शनों से भाग गई थीं। बांग्लादेश के चौनल 24 ने राजधानी में प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास में भीड़ की तस्वीरें प्रसारित कीं, जो जश्न मनाते हुए कैमरे की ओर हाथ हिला रही थीं। थल सेनाध्यक्ष जनरल वेकर–उज़–ज़मान दोपहर राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम लोग एक सुंदर भविष्य की ओर अग्रसर होंगे। हमने सभी नेताओं से बातचीत की है। सभी उपस्थित थे। हमने एक अच्छी बातचीत की है। हमें लगता है कि जो बातचीत हुई है वो सफल होगी। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दिया है। एक अंतरिम सरकार का गठन कर शासन होगा। सेना चीफ ने शांति बनाए रखने की अपील की है। लोग मारे जा रहे हैं। इन सब से दूर रहकर मेरी सहायता करे। मुझे दायित्व दीजिए मैं सब संभाल लूंगा। गौरतलब है कि अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया तथा फिर दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई। प्रदर्शनकारी सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था के मुद्दे को लेकर हसीना का इस्तीफा मांग रहे हैं।

बांग्लादेश में सेना बनवाएगी अंतरिम सरकार, आर्मी चीफ ने कहा- मैं सब संभाल लूंगा

बांग्लादेश में कोटा सुधारों के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन में हिंसक झड़पों के कारण कम से कम 98 लोग मारे गए। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और डॉक्टरों के अनुसार मरने वालों की कुल संख्या कम से कम 300 है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर नए सिरे से छात्र विरोध प्रदर्शन के बाद भारत ने अपने नागरिकों को अगली सूचना तक बांग्लादेश की यात्रा न करने की सलाह दी है। थल सेनाध्यक्ष जनरल वेकर–उज़–ज़मान दोपहर राष्ट्र को संबोधित किया। सेना प्रमुख ने देशवासियों से धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया है। आप लोगों की मांग हम पूरी करेंगे और देश में शांति व्यवस्था लाएंगे। दया करके तोड़ फोड़ मारपीट आगजनी से दूर रहे। अगर आप लोग हमारे साथ मिलकर चलेंगे तो निश्चित रूप से हम सुदंर हालात ोिक ओर अग्रसर होंगे। मारपीट हिंसा से कुछ हासिल नहीं होंगा। कृपा करके अराजकता और संघर्ष से दूर रहे। हम लोग एक सुंदर भविष्य की ओर अग्रसर होंगे। हमने सभी नेताओं से बातचीत की है। सभी उपस्थित थे। हमने एक अच्छी बातचीत की है। हमें लगता है कि जो बातचीत हुई है वो सफल होगी। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दिया है। एक अंतरिम सरकार का गठन कर शासन होगा। सेना चीफ ने शांति बनाए रखने की अपील की है। लोग मारे जा रहे हैं। इन सब से दूर रहकर मेरी सहायता करे। मुझे दायित्व दीजिए मैं सब संभाल लूंगा।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने भारत के साथ संपर्क बढ़ाने के लिए जलमार्ग और रेलवे के विस्तार की वकालत की

जलमार्गों के अतिरिक्त, ओली ने नेपाल की रेल सेवाओं के विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया तथा मौजूदा जनकपुर–कुर्था रेलवे लाइन में दो रेलवे लाइनें जोड़ने का आह्वान किया। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी ओली ने रविवार को देश के जलमार्ग और रेलवे के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला तथा भारत के साथ संपर्क बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया। भौतिक अवसंरचना एवं परिवहन मंत्रालय के तहत सड़क विभाग की वार्षिक प्रगति समीक्षा बैठक में ओली ने सिविल सेवकों को भारतीय सीमा के पास हनुमाननगर से त्रिवेणी और देवघाट तक स्टीमर सेवाओं के संचालन के लिए एक योजना का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में 1970 से स्टीमर सेवाओं की अनुमति देने वाला कानून होने के बावजूद इस तरह के बुनियादी ढांचे का उपयोग नहीं किया गया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। ओली ने कहा, ''हमें हनुमाननगर में एक बंदरगाह, एक सीमा शुल्क कार्यालय और वीजा केंद्र स्थापित करना चाहिए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।